Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबन्द में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 106 | मंगलवार, 21 अप्रैल-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

चिप से शिप तक: भारत-दक्षिण कोरिया के बीच हुए कई समझौते, पीएम मोदी ने की संबंधों की सराहना

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और दक्षिण कोरिया के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक रिश्तों को नई दिशा देते हुए कहा कि दोनों देश अब 'चिप्स से शिप्स' तक सहयोग को मजबूत कर रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी दक्षिण कोरिया के साथ हुए कई महत्वपूर्ण समझौतों (MoUs) के बाद आई, जो तकनीक, रक्षा, व्यापार और समुद्री सहयोग जैसे क्षेत्रों को कवर करते हैं।

भारत-दक्षिण कोरिया के बीच मजबूत साझेदारी

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया के रिश्ते अब केवल पारंपरिक व्यापार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सेमीकंडक्टर (चिप), इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, ग्रीन टेक्नोलॉजी और शिपबिल्डिंग (जहाज निर्माण) जैसे हाई-टेक और रणनीतिक क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और विकास के लिए भी बेहद अहम है।

रक्षा और रणनीतिक सहयोग

भारत और दक्षिण कोरिया ने रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसमें संयुक्त सैन्य अभ्यास, तकनीक साझा करना और रक्षा उपकरणों के निर्माण में साझेदारी शामिल है। यह सहयोग खासतौर पर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंध

दोनों देशों ने शिक्षा, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में भी संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। छात्रों के आदान-प्रदान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया एक मुक्त, खुला और समावेशी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देश क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को बनाए रखने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे।

कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच इस दौरे के दौरान कई समझौते हुए, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन समझौतों का उद्देश्य दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाना और सप्लाई चेन को मजबूत बनाना है।

- सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में सहयोग बढ़ाना।
- डिफेंस और सिक्योरिटी साझेदारी को मजबूत करना।
- ग्रीन एनर्जी और क्लाइमेट चेंज पर संयुक्त पहल।
- शिपबिल्डिंग और समुद्री सुरक्षा में सहयोग।
- स्टार्टअप और इनोवेशन इकोसिस्टम को बढ़ावा देना।

व्यापार और निवेश पर फोकस

दोनों देशों ने आपसी व्यापार को नई ऊंचाई पर ले जाने का लक्ष्य रखा है। भारत, दक्षिण कोरिया के लिए एक बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बन सकता है, वहीं दक्षिण कोरिया की कंपनियां भारत में निवेश बढ़ाने में रुचि दिखा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान दक्षिण कोरियाई निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा कर रहे हैं।

पीएम मोदी के झालमुड़ी खाने पर ममता बनजीर्का तंज, बोलीं- ये सब ड्रामा है

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए, चुनाव प्रचार के दौरान 'झालमुड़ी' खरीदने के लिए उनके अचानक रुकने को ड्रामा करार दिया। यह टिप्पणी पीएम मोदी के उस कदम के एक दिन बाद आई, जब उन्होंने झाड़ग्राम में अपने चुनावी दौरे के दौरान, मुरमुरे, हरी मिर्च और मसालों से बने लोकप्रिय बंगाली स्ट्रीट स्नैक को खरीदने के लिए कुछ देर का ठहराव किया था।

यह सब ड्रामा है: ममता बनर्जी

उस पल की सहजता पर सवाल उठाते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि यह पूरी घटना पहले से रची हुई थी। यह सब ड्रामा है। जब प्रधानमंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान अचानक बिना किसी तय कार्यक्रम के रुकने का फैसला किया, तो वहाँ कैमरा कैसे मौजूद था? यह पूरी घटना पहले से लिखी हुई थी। उन्हें अपनी जेब में 10 रुपये का नोट रखे हुए देखा गया। क्या इस पर यकीन किया जा सकता है? बनर्जी ने पीएम मोदी का नाम लिए बिना यह बात कही। टीएमसी प्रमुख बीरभूम ज़िले के मुराई विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रही थीं।

पीएम मोदी का झालमुरी ब्रेक

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल में अपने कैंपेन टूर के दौरान बिना किसी प्लान के झारग्राम में रुके, जहाँ उन्होंने झालमुरी का मजा लिया। आस-पास खड़े लोग और दुकानदार तब हैरान रह गए जब पीएम का काफिला अचानक झारग्राम में उनकी छोटी सी दुकान के सामने रुका और मोदी के अलावा कोई नहीं आया और उन्होंने स्टॉल पर जाकर 'झालमुरी' का दाम पूछा। मोदी ने हैरान दुकानदार से कहा, भाई, आपका झालमुरी खिलाओ, कितना? अच्छे से बना दो झालमुरी। पीएम जो अपने सिक्योरिटी वालों के साथ थे, ने दुकानदार को पैसे दिए और जोर दिया कि वह पैसे ले ले। दुकानदार ने पूछा कि क्या यह डिश बनाने के लिए सभी स्टैंडर्ड चीजें इस्तेमाल होंगी, तो मोदी ने कहा, 'सब कुछ, सिवाय नीमक (नमक) के जिसका इस्तेमाल वह हेल्थ की वजह से नहीं करते।

एआईएडीएमके पर राहुल गांधी का बड़ा हमला, बोले- भ्रष्टाचार के कारण बीजेपी के आगे किया 'सरेंडर'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

तमिलनाडु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि एआईएडीएमके नेतृत्व ने भ्रष्टाचार के कारण भाजपा के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, और दावा किया कि क्षेत्रीय पार्टी अब तमिलनाडु में भाजपा के प्रवेश के लिए एक माध्यम के रूप में काम कर रही है। कन्याकुमारी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि आरएसएस जो द्रविड़ विचारधारा से नफरत करता है, वह भी तमिलनाडु पर शासन करने की योजना बना रहा है। गांधी ने जोर देकर कहा कि प्रत्येक राज्य को अपनी आवाज और स्वायत्तता बनाए रखनी चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि प्रत्येक राज्य के लोगों को अपने राज्य का संचालन करना चाहिए। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं सोचती। वह एक ही परंपरा, एक ही भाषा और एक ही इतिहास में विश्वास करती है। उन्होंने आगे कहा कि विकेंद्रीकृत शासन के सिद्धांतों के अनुरूप तमिलनाडु का शासन वहां की जनता द्वारा ही होना चाहिए। गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रभावित करने की कोशिश की, जिसके जवाब में मोदी ने एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के माध्यम से तमिलनाडु को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

उधमपुर में 100 मीटर गहरी खाई में गिरी यात्री बस, 21 लोगों की दर्दनाक मौत, पीएम मोदी और सीएम अब्दुल्ला ने जताया दुख

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले से सोमवार को दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। रामनगर क्षेत्र में एक तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे 21 यात्रियों की मौत हो गई और 29 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा इतना भीषण था कि बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह उखड़ गया और वाहन मलबे में तब्दील हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बस ने एक ऑटो-रिक्शा को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीपहिया वाहन में सवार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे रामनगर क्षेत्र में एक तीखे मोड़ पर उस वक्त हुआ जब निजी बस का चालक नियंत्रण खो बैठा। पहाड़ी मार्ग से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। बस में करीब 50 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने दैनिक कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका ऊपरी हिस्सा लगभग पूरी तरह उखड़ गया जिससे बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, 'रामनगर से उधमपुर जा रही बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और ढलान से नीचे गिरकर सड़क पर पलट गई तथा एक ऑटो-रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। मौके पर 15 यात्रियों को मृत पाया गया जबकि चार अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।' अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई। शर्मा ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामनगर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सेना के जवानों के साथ संयुक्त बचाव अभियान चलाया। बाद में हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से वाहन को सीधा किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी फोन पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उधमपुर से रामनगर जा रहे एक सैन्य काफिले का नेतृत्व कर रहे एक जवान ने बताया कि बस को पहाड़ी से नीचे लुढ़कते देख उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। उसने कहा, 'मैं काफिले का नेतृत्व कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वाहन करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिरा। हमने तुरंत क्षेत्र की घेराबंदी कर बचाव अभियान शुरू किया और कड़ी मशक्कत से यात्रियों को निकाला।'

10,000 फर्जी सिम का 'मास्टरमाइंड' गुवाहाटी से गिरफ्तार, सीबीआई का बड़ा एक्शन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गुवाहाटी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधों में इस्तेमाल के लिए 10,000 से अधिक सिम कार्ड अवैध रूप से प्राप्त करने वाले एक प्रमुख साजिशकर्ता को गुवाहाटी से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल अगस्त से फरार उबेद उल्लाह को रविवार तड़के गिरफ्तार किया गया।

सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'गिरफ्तार आरोपी ने गुवाहाटी में अवैध रूप से सिम कार्ड हासिल किया था और अगस्त 2025 से फरार था। जांच में पता चला है कि आरोपी ने अवैध रूप से जारी किए गए लगभग 10,000 सिम कार्ड प्राप्त करने के लिए कई बैंक खातों के माध्यम से पीओएस एजेंट को लगभग 67 लाख रुपये हस्तांतरित किए।'

प्रवक्ता ने कहा, 'इन सिम कार्ड को प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किए गए कूरियर लेनदेन से संबंधित सबूत भी मिले हैं।' यह गिरफ्तारी सीबीआई के 'ऑपरेशन चक्र-पांच' का हिस्सा है, जिसके तहत एजेंसी ने पूरे भारत में साइबर अपराध के बुनियादी ढांचे पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सीबीआई ने अवैध रूप से सिम कार्ड जारी करने और डिजिटल अरेस्ट, ऋण एवं निवेश धोखाधड़ी जैसे अपराधों में शामिल साइबर अपराधियों की मदद करने वाले प्वॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) एजेंट के खिलाफ पिछले साल मामला दर्ज किया था। प्रवक्ता ने कहा, 'जांच के दौरान, आठ राज्यों में लगभग 45 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप फर्जी/अवैध रूप से प्राप्त सिम कार्ड जारी करने में शामिल 10 आरोपी पीओएस एजेंट को गिरफ्तार किया गया।

आरडीसी में ट्रैफिक सिस्टम 'वेंटिलेटर' पर

टीएसआई विपिन कुमार की मेहनत पर पानी फेर रहा मौजूदा अमला!

ललित शर्मा

अंकुश की कमी- डीएम और कमिश्नर दफ्तर के बाहर रेंग रहे वाहन

नजरंदाज होते नियम- वैन में बैठकर 'हवा' खा रहे मौजूदा ट्रैफिक कर्मी

वीआईपी इलाका भी बेहाल- जनता पूछ रही- कहां गए 'जाम मुक्त' आरडीसी के दिन?

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद का दिल कहे जाने वाले राज नगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर (फ्छ) में इन दिनों जाम का 'जहर' घुल गया है। विडंबना देखिए कि जिस इलाके में जिलाधिकारी से लेकर पुलिस कमिश्नर तक बैठते हैं, वहां की सड़कें अब अतिक्रमण और अवैध पार्किंग की गिरफ्त में हैं। लेकिन इस अव्यवस्था ने एक नाम को फिर से चर्चा में ला दिया है, टीएसआई विपिन कुमार, जनता अब खुलेआम कह रही है कि जब तक विपिन कुमार आरडीसी की कमान संभाले हुए थे, तब तक यहां परिंदा भी गलत पार्किंग की हिम्मत नहीं करता था। उनके जाते ही व्यवस्था का 'जीरो' होना प्रशासन की कार्यशैली पर बड़ा सवालिया निशान है।

वीआईपी मूवमेंट पर भी नहीं कोई शिकन

हैरानी की बात यह है कि आरडीसी कोई साधारण व्यावसायिक क्षेत्र नहीं है। यहां शासन-प्रशासन के सर्वोच्च अधिकारियों के दफ्तर हैं। इसके बावजूद वर्तमान ट्रैफिक पुलिस की ढिलाई इतनी ज्यादा है कि अधिकारियों के काफिलों को भी कभी-कभी इस अव्यवस्था का सामना करना पड़ता है।

दुकानदारों और स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को विपिन कुमार जैसे कर्मठ अधिकारियों की आरडीसी में स्थायी या लंबी तैनाती सुनिश्चित करनी चाहिए, अन्यथा यह महत्वपूर्ण इलाका 'जाम का सेंटर' बनकर रह जाएगा। 'सड़क पर उतरकर काम करने वाले और एसी गाड़ी में बैठकर निगरानी करने वाले अधिकारियों के बीच का अंतर आज आरडीसी की सड़कों पर साफ देखा जा सकता है।

जनता को अब फिर से किसी 'विपिन कुमार' का इंतजार है।'

विपिन कुमार 'वन मैन आर्मी' जिसने आरडीसी को रखा जाम-मुक्त

प्रशासनिक गलियारों और आम जनता के बीच ळरकविपिन कुमार का नाम एक 'सच्चे हीरो' के तौर पर लिया जा रहा है। जब तक विपिन कुमार की तैनाती आरडीसी में रही, उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और ईमानदारी से यातायात को सुचारू बनाए रखा। वे सिर्फ आदेश नहीं देते थे, बल्कि खुद चिलचिलाती धूप और धूल के बीच खड़े होकर ट्रैफिक को रफ्तार देते थे। अतिक्रमणकारियों के मन में उनका खौफ था और जनता के मन में उनके प्रति सम्मान। सूत्र बताते हैं कि विपिन कुमार का रोटेशन आधारित तबादला (एक महीने गाजियाबाद आरडीसी तो दूसरे महीने दूसरे शहर) इस इलाके के लिए अभिशाप साबित हो रहा है।

मौजूदा अमला: वैन की खिड़की से देखते हैं 'जाम का तमाशा'

विपिन कुमार के जाने के बाद आरडीसी की ट्रैफिक कमान जिनके हाथों में है, उनकी कार्यशैली ने 'जीरो' परफॉरमेंस की नई परिभाषा लिख दी है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वर्तमान ड्यूटी पर तैनात अधिकारी और कर्मचारी अक्सर अपनी वैन में एसी की हवा खाते या मोबाइल पर व्यस्त नजर आते हैं। सड़क पर उतरकर जाम खुलवाने की जगह, ये अधिकारी सिर्फ गाड़ी लेकर घूमते रहने तक सीमित हैं। इसी 'लापरवाही' का नतीजा है कि आज आरडीसी के हर चौराहे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट का अभूतपूर्व कदम, ऑर्डर रिजर्व होने के बाद भी अरविंद केजरीवाल को जवाब की इजाजत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को सीबीआई के उस दावे के संबंध में अपनी लिखित दलीलें पेश करने की अनुमति दे दी, जिसमें जांच एजेंसी से जुड़े कथित शराब नीति घोटाले के मामले की सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के खुद को अलग करने की बात कही गई थी। जस्टिस शर्मा ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वह अपनी सीमा से बाहर जाकर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के लिए एक अपवाद बना रही हैं, 'ताकि कल उन्हें यह न लगे कि उनकी बात नहीं सुनी गई। जस्टिस शर्मा को सोमवार दोपहर 2.30 बजे (जैसा कि सुबह पहले सूचित किया गया था) इस बात पर फैसला सुनाना था कि क्या कोर्ट सीबीआई की उस याचिका की सुनवाई से खुद को अलग करेगा या नहीं, जिसमें फरवरी में एक ट्रायल कोर्ट द्वारा आबकारी मामले में 23 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई है। हालांकि, केजरीवाल द्वारा नई दलीलें पेश किए जाने के बाद, कोर्ट ने अब फैसला सुनाने का समय शाम 4.30 बजे तक के लिए टाल दिया है। रिक्यूजल (मामले से खुद को अलग करने) के खास पहलू पर अपना फैसला सुरक्षित रखने के बावजूद, कोर्ट ने कहा कि वह केजरीवाल के जवाब को लिखित दलीलों के तौर पर रिकॉर्ड पर ले रहा है—ऐसा वह अपनी तरफ से खास कोशिश करके कर रहा है—ताकि कल को केजरीवाल को यह न लगे कि उनकी बात नहीं सुनी गई; हालाँकि, पिछली सुनवाई की तारीख पर इस कोर्ट ने यह पूरी तरह साफ कर दिया था कि अब इस मामले पर आगे कोई बहस नहीं होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केजरीवाल की नई अर्जी को रिकॉर्ड पर लिए जाने का विरोध करते हुए अदालत से कहा, 'मैं यह बात बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूँ: पूरे देश में, किसी भी अदालत के सामने – चाहे वह ट्रायल कोर्ट हो, हाई कोर्ट हो, सुप्रीम कोर्ट हो, या कोई भी जगह जैसे ही किसी मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया जाता है, उसके बाद कोई भी नई दलील या दस्तावेज रिकॉर्ड पर नहीं लिए जाते।

संपादक की कलम से

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित शर्मा
संपादक

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है। वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है।

दीदार

उदय किशोर साह

कविता

साहिल की रेत पे बैठा हूँ मैं अकेला
करता हूँ तेरी बेसब्री से इन्तजार
हल्की धुंधली कुहासा उतर आई
दिल में आरजू है तेरा ही इन्तजार

पहाड़ों की बदन से टकराई पुरवाई
प्रीत में बह रही है मिलन की बयार
मेरे मन को छू कर उड़ उड़ जाती
तेरी यादों में सावन की फुहार

रात तन्हा में हमने हर पल गुजारा
नींद भी रूठ चली गई आ मेरे द्वार
सूना सुना लगता है मेरा घर आँगन
रोग ये कैसी क्यां यही है प्यार?

ख्यालों में गुमसुम बैठा दिन रात
जेहन में उभरती तेरा ही एक नाम
पतझड़ सी हो गई है मेरी दनियां
कर दो मेरे जीवन की बिगया गुलजार

एक झलक अपनी सूरत आ दिखला दो
चैन आ जाये मेरे जीवन में मेरे यार
मरना भी मंजूर हमें है इस दुनियां में अब
तरस खाओ मेरे हालात पे मेरे दिलदार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में 4 आत्महत्याएँ

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारतीय तकनीकी शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थान, जिन्हें कभी 'सपनों की फैक्ट्री' कहा जाता था, आज कई युवाओं के लिए मानसिक दबाव के कारखाने बनते जा रहे हैं। हरियाणा के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में महज दो महीनों के भीतर चार छात्रों की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल चार जिंदगियों का अंत नहीं, बल्कि एक ऐसे तंत्र की विफलता है जो प्रतिभा को तराशने के बजाय उसे तोड़ रहा है। फरवरी से अप्रैल 2026 के बीच हुई ये घटनाएँ अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि एक खतरनाक सिलसिले का संकेत देती हैं—जहाँ एक घटना के बाद दूसरी घटना घटती चली जाती है, जैसे निराशा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैल रही हो। दीक्षा दूबे का सुसाइड नोट—'मैं कुछ करके नहीं दिखा पाई'—सिर्फ एक छात्रा की पीड़ा नहीं, बल्कि उस मानसिकता का आईना है, जिसमें 'कुछ करके दिखाना' ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बना दिया गया है।

भारत में जे ई ई मैंस और जे ई ई अडवांस जैसी परीक्षाएँ लंबे समय से सफलता की कुंजी मानी जाती रही हैं। लाखों छात्र वर्षों तक दिन-रात मेहनत करते हैं ताकि वे इन परीक्षाओं में सफल होकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र जैसे संस्थानों में प्रवेश पा सकें। लेकिन विडंबना यह है कि जिस संस्थान में प्रवेश को जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जाता है, वही कई छात्रों के लिए मानसिक संघर्ष का मैदान बन जाता है। यहाँ पहुँचने के बाद छात्रों को न केवल पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होता है, बल्कि उन्हें हर मोर्चे पर खुद को साबित करने का दबाव झेलना पड़ता है। 75 प्रतिशत उपस्थिति का नियम, लगातार असाइनमेंट और प्रोजेक्ट, सेमेस्टर परीक्षाओं का तनाव और प्लेसमेंट की अनिश्चितता—ये सब मिलकर छात्रों के मन पर एक अदृश्य लेकिन भारी बोझ डालते हैं।

यह दबाव केवल शैक्षणिक नहीं होता, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक भी होता है। जब एक छात्र, जो अपने स्कूल या कोचिंग में सबसे आगे रहा हो, अचानक खुद को सैकड़ों प्रतिभाशाली छात्रों के बीच पाता है, तो उसकी आत्म-छवि प्रभावित होती है। पहले जहाँ वह खुद को 'सबसे बेहतर' मानता था, वहीं अब वह खुद को 'सामान्य' या कई बार 'कमजोर' महसूस करने लगता है। यह बदलाव कई छात्रों के लिए मानसिक रूप से बहुत कठिन होता है। वे अपनी असफलताओं को स्वीकार नहीं कर पाते और धीरे-धीरे आत्म-संदेह और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं।

इस पूरे संकट में परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में शिक्षा को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। माता-पिता अपने बच्चों से बड़ी उम्मीदें रखते हैं, और यह उम्मीद कई बार अनजाने में दबाव में बदल जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि युवाओं में आत्महत्या के मामलों में पारिवारिक दबाव एक प्रमुख कारण होता है। विशेष रूप से उन छात्रों के लिए, जो आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं, यह दबाव और भी अधिक होता है। उनके माता-पिता अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा उनकी पढ़ाई पर खर्च करते हैं, और बदले में उनसे सफलता की अपेक्षा करते हैं। ऐसे में यदि छात्र किसी भी कारण से अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाता, तो उसे लगता है कि उसने न केवल खुद को, बल्कि अपने पूरे परिवार को निराश कर दिया है।

सोशल मीडिया ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है। आज का युवा लगातार दूसरों की 'सफलता' और 'खुशहाल जीवन' की झलकियों से घिरा रहता है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर दिखने वाली चमक-दमक एक ऐसी दुनिया का निर्माण करती है, जो वास्तविकता से बहुत दूर होती है। लेकिन छात्र इसे वास्तविक मानकर अपनी तुलना दूसरों से करने लगते हैं।

जब उन्हें लगता है कि वे इस 'आदर्श जीवन' से पीछे हैं, तो उनमें असंतोष और निराशा बढ़ने लगती है।

फ्रांसीसी समाजशास्त्री एमिल दुरखाइम ने आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक समस्या के रूप में देखा था। उनका 'अनोमिक सुसाइड' सिद्धांत बताता है कि जब समाज के नियम और अपेक्षाएँ व्यक्ति के लिए अस्पष्ट या असंतुलित हो जाती हैं, तो वह खुद को अलग-थलग महसूस करने लगता है। यही स्थिति आज कई तकनीकी संस्थानों में देखने को मिलती है। छात्र एक ऐसे वातावरण में होते हैं जहाँ उनसे बहुत अधिक अपेक्षाएँ की जाती हैं, लेकिन उन्हें उतना भावनात्मक या सामाजिक समर्थन नहीं मिलता। परिणामस्वरूप, वे भीतर ही भीतर टूटने लगते हैं।

ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए यह समस्या और भी गहरी होती है। वे अचानक एक ऐसे वातावरण में पहुँच जाते हैं, जहाँ भाषा, जीवनशैली और सामाजिक व्यवहार सब कुछ अलग होता है। उन्हें अपने आसपास के लोगों से जुड़ने में कठिनाई होती है। यह अलगाव धीरे-धीरे अकेलेपन में बदल जाता है, और अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकता है। कई छात्र अपनी समस्याओं को किसी से साझा नहीं कर पाते, क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा करना कमजोरी की निशानी है।

महिला छात्रों के लिए यह संघर्ष कई स्तरों पर होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ सुरक्षा, सामाजिक अपेक्षाओं और आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। कई बार उन्हें यह महसूस कराया जाता है कि उन्हें खुद को 'साबित' करना है, न केवल एक छात्र के रूप में, बल्कि एक महिला के रूप में भी। यह दोहरा दबाव उनके मानसिक स्वास्थ्य को और अधिक प्रभावित करता है।

संस्थागत स्तर पर भी कई कमियाँ सामने आती हैं। अधिकांश तकनीकी संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ पर्याप्त नहीं हैं। एक या दो काउंसलर सैकड़ों छात्रों की समस्याओं को संभालने के लिए पर्याप्त नहीं होते। कई बार छात्र काउंसलिंग लेने से हिचकिचाते हैं, क्योंकि उन्हें डर होता है कि इससे उनकी छवि पर असर पड़ेगा। इसके अलावा, मेंटरशिप सिस्टम भी कई बार प्रभावी नहीं होता। कुछ मामलों में यह छात्रों के लिए सहायक होने के बजाय अतिरिक्त दबाव का कारण बन जाता है।

चार आत्महत्याओं के बाद प्रशासन द्वारा उठाए गए कदम—जैसे जांच समिति का गठन, काउंसलिंग सेवाओं में सुधार और छुट्टियों की घोषणा—महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। यह समस्या केवल तात्कालिक उपायों से हल नहीं होगी। इसके लिए दीर्घकालिक और व्यापक बदलाव की आवश्यकता है। शिक्षा व्यवस्था को यह समझना होगा कि छात्र केवल अंक और रैंक नहीं हैं, बल्कि वे भावनात्मक और सामाजिक आवश्यकताओं वाले इंसान हैं।

समाधान के लिए सबसे पहले मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। हर संस्थान में पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित काउंसलर होने चाहिए, और छात्रों को बिना किसी डर या शर्म के उनकी सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, शैक्षणिक नियमों में लचीलापन लाना भी आवश्यक है। हर छात्र एक जैसा नहीं होता, और सभी से समान प्रदर्शन की अपेक्षा करना उचित नहीं है।

परिवारों को भी अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल उच्च वेतन या प्रतिष्ठित नौकरी नहीं है। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली को प्राथमिकता देना उतना ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ खुलकर संवाद करना चाहिए और उन्हें यह भरोसा दिलाना चाहिए कि वे किसी भी परिस्थिति में उनके साथ हैं।

कैंपस स्तर पर भी एक सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण बनाने की आवश्यकता है। छात्रों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे एक-दूसरे की मदद करें और अपनी समस्याओं को साझा करें। पीयर सपोर्ट ग्रुप, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और खेल-कूद जैसी पहलें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र की ये घटनाएँ केवल एक संस्थान की समस्या नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय शिक्षा तंत्र के लिए एक चेतावनी हैं। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह संकट और गहरा हो सकता है।

आज जरूरत है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर ऐसे समाधान खोजें, जो न केवल छात्रों के शैक्षणिक विकास को सुनिश्चित करें, बल्कि उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की भी रक्षा करें। छात्र देश का भविष्य हैं, और यदि वही भविष्य निराशा और दबाव के बोझ तले टूट रहा है, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकट है। अब समय आ गया है कि हम सफलता की परिभाषा को पुनर्परिभाषित करें और एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था का निर्माण करें, जो छात्रों को केवल सफल ही नहीं, बल्कि संतुलित और खुशहाल इंसान भी बनाए।

जब सत्य फीका पड़ जाता है और शब्द घायल हो जाते हैं: पत्रकारिता और राजनीति का संकट

डॉ विजय गर्ग
लेखक

किसी भी लोकतंत्र में, पत्रकारिता और राजनीतिक प्रवचन दोहरे स्तंभ हैं जो सूचित नागरिकता और जिम्मेदार शासन को बनाए रखते हैं। जब कोई भी व्यक्ति कमजोर होने लगता है, तो उसके परिणाम समाज में फैल जाते हैं। आज, पत्रकारिता के घटते मानकों और राजनीति में प्रयोग की जाने वाली तेजी से कठोर, विभाजनकारी भाषा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। ये प्रवृत्तियाँ अलग-थलग नहीं हैं। ये आपस में जुड़ी हुई हैं, और एक साथ मिलकर ये लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती पेश करती हैं।

पत्रकारिता का बदलता चेहरा

पत्रकारिता को कभी सत्य, ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा पर आधारित एक महान व्यवसाय माना जाता था। आदर्श पत्रकार एक निगरानीकर्ता के रूप में कार्य करता था, जो नागरिकों को विश्वसनीय, निष्पक्ष जानकारी प्रदान करते हुए सत्ता को जवाबदेह मानता था। हालाँकि, हाल के वर्षों में कई कारकों ने इस आदर्श को कमजोर कर दिया है। 24/7 समाचार चक्र और डिजिटल प्लेटफार्मों के उदय ने ध्यान आकर्षित करने की दौड़ को तेज कर दिया है। इस वातावरण में, गति अक्सर सटीकता से अधिक प्राथमिकता लेती है। सनसनीखेज सुर्खियां, क्लिकबैट और अप्रमाणित जानकारी आम हो गई है, जिससे समाचारों की विश्वसनीयता कम हो रही है। गहन रिपोर्टिंग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, कई आउटलेट ऐसी कहानियों को प्राथमिकता देते हैं जो अधिक जुड़ाव पैदा करती हैं, भले ही उनमें विषय-वस्तु का अभाव हो। व्यावसायिक दबाव स्थिति को और जटिल बना देता है। मीडिया हाउस विज्ञापन राजस्व पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं, जिसके कारण हितों का टकराव होता है। इससे 'पेड न्यूज' और पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग का जन्म हुआ है, जहां कवरेज राजनीतिक या कॉर्पोरेट हितों से प्रभावित हो सकता है। परिणामस्वरूप, पत्रकारिता और प्रचार के बीच की रेखा खतरनाक रूप से धुंधली हो रही है। एक अन्य चिंताजनक प्रवृत्ति मीडिया का ध्रुवीकरण है। समाचार मंच अक्सर विशिष्ट वैचारिक दर्शकों को पूरा करते हैं, तथा आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के बजाय मौजूदा मान्यताओं को पुष्ट करते हैं। यह प्रतिध्वनि कक्ष प्रभाव पत्रकारिता के उद्देश्य को कमजोर कर देता है। विविध दृष्टिकोणों की जानकारी देना, शिक्षित करना और प्रस्तुत करना।

राजनीतिक भाषा में गिरावट

पत्रकारिता के कमजोर होने के साथ ही राजनीतिक भाषा की गिरावट भी है। राजनीतिक प्रवचन, जो आदर्श रूप से विचारशील, सम्मानजनक और मुद्दे-आधारित होना चाहिए, व्यक्तिगत हमलों, भड़काऊ बयानबाजी और गलत सूचनाओं द्वारा तेजी से चिह्नित हो रहा है। राजनीतिक नेताओं द्वारा कठोर, विभाजनकारी भाषा का प्रयोग एक परेशान करने वाला उदाहरण प्रस्तुत करता है। नीति और शासन पर रचनात्मक बहस करने के बजाय, चर्चाएं अक्सर दोषारोपण और चरित्र हत्या में बदल जाती हैं। इससे न केवल सार्वजनिक चर्चा की गुणवत्ता कम होती है, बल्कि सामाजिक विभाजन भी गहरा होता है। सोशल मीडिया ने इस समस्या को और बढ़ा दिया है। राजनीतिक संदेश अब विषय-वस्तु के बजाय वायरलिटी के लिए तैयार किए जाते हैं। लघु, उत्तेजक कथन अक्सर सूक्ष्म तर्कों का स्थान ले लेते हैं। इसका परिणाम एक राजनीतिक माहौल है, जहां भावनाएं तथ्यों पर हावी हो जाती हैं और आक्रोश लामबंदी का साधन बन जाता है। ऐसी भाषा के वास्तविक परिणाम होते हैं। यह अनादर को सामान्य बनाता है, असहिष्णुता को प्रोत्साहित करता है, तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को नष्ट कर देता है। जब नेता अपमानजनक या भ्रामक भाषा का सहारा लेते हैं, तो यह बात जनता तक पहुंच जाती है और रोजमर्रा की बातचीत के लहजे को आकार देती है।

मीडिया और राजनीति के बीच अंतसंबंध

पत्रकारिता में गिरावट और राजनीतिक भाषा का क्षरण निकटता से जुड़ा हुआ है। मीडिया अक्सर राजनीतिक बयानबाजी को बढ़ाता है, और बदले में, राजनीतिक अभिनेता अपने कथनों को फैलाने के लिए मीडिया प्लेटफार्मों का शोषण करते हैं। जब पत्रकारिता राजनीतिक बयानों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में विफल रहती है, तो यह गलत सूचनाओं के लिए एक माध्यम बन जाती है। साथ ही, आक्रामक राजनीतिक भाषा मीडिया प्रथाओं को प्रभावित कर सकती है। सनसनीखेज राजनीतिक बयान दर्शकों को आकर्षित करते हैं, जिससे मीडिया रचनात्मक संवाद के बजाय विवाद पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित होता है। इससे एक ऐसा चक्र निर्मित होता है, जिसमें पत्रकारिता और राजनीति दोनों ही सबसे खराब प्रवृत्तियों को एक दूसरे से जोड़ती हैं।

आगे का रास्ता

इन प्रवृत्तियों को उलटने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। पत्रकारों को नैतिक मानकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करनी चाहिए। तथ्य-जांच, निष्पक्षता और जवाबदेही। मीडिया संगठनों को मात्रा की अपेक्षा गुणवत्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा सनसनीखेजता के आकर्षण का विरोध करना चाहिए। राजनीतिक नेताओं को, अपनी ओर से, शब्दों की शक्ति को पहचानना चाहिए। जिम्मेदार भाषा एकता को बढ़ावा दे सकती है, जबकि लापरवाह बयानबाजी विभाजन को और गहरा कर सकती है। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मुद्दे-आधारित बहस और सम्मानजनक संचार की ओर बदलाव आवश्यक है। नागरिक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सूचना की अधिकता के युग में मीडिया साक्षरता महत्वपूर्ण है। स्रोतों पर सवाल उठाकर, तथ्यों की पुष्टि करके और विश्वसनीय पत्रकारिता की मांग करके, जनता मीडिया और राजनीतिक अभिनेताओं को अधिक जिम्मेदारी की ओर धकेल सकती है।

निष्कर्ष

पत्रकारिता का पतन और राजनीति की बिगड़ती भाषा ऐसे चेतावनी संकेत हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे मिलकर सूचित लोकतंत्र की नींव को खतरे में डालते हैं। पत्रकारिता में ईमानदारी और राजनीतिक प्रवचनों में गरिमा को बहाल करना केवल वांछनीय नहीं है यह आवश्यक है। मीडिया, राजनीतिक नेताओं और नागरिकों के सचेत प्रयास से ही हम विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा समाज के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने की आशा कर सकते हैं।

नौकरी, यौन उत्पीड़न और माहौल: टीसीएस से लेंसकार्ट तक लाचारी का फायदा उठाते दरिंदे

स्नेहा सिंह
लेखिका

आज के माहौल में यह जानना भी जरूरी हो गया है कि अपनी बेटी या बहू किस कंपनी में काम करती है, कंपनी कहां स्थित है और उसका तत्काल बॉस कौन है। शिक्षित महिलाएं अपने ज्ञान का उपयोग आर्थिक कमाई के लिए कर रही हैं और अपने परिवार तथा समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं। विदेशों की तरह महानगरों में पति-पत्नी दोनों नौकरी कर समृद्ध जीवन जीते हैं और अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दे पाते हैं। कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है और कई कंपनियों में महिला सीईओ भी देखने को मिल रही हैं। स्टार्टअप क्षेत्र में भी महिलाएं शीर्ष स्थान पर हैं। नौकरी करने वाली महिलाओं को प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें यौन उत्पीड़न भी शामिल है। हालांकि इस समस्या से निपटने की समझ उनमें विकसित हुई है और कानून भी उनकी रक्षा के लिए मौजूद हैं। टीसीएस (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज) की नासिक शाखा में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न और कथित धर्म परिवर्तन के दबाव का मामला देशभर की कार्पोरेट कंपनियों में चर्चा का विषय बन गया है। इस घटना के बाद नौकरी करने वाली महिलाओं और उनके परिवारों में सतर्कता बढ़ी है। सभी कंपनियों में ऐसा नहीं होता, लेकिन जब प्रतिष्ठित कंपनी में भी ऐसे आरोप सामने आते हैं, तो छोटे संस्थानों की स्थिति पर सवाल उठता है। जहां मानव संसाधन (एचआर) विभाग होता है, वहां यदि वही जिम्मेदार व्यक्ति गलत आचरण करने लगे तो कर्मचारियों के पास विकल्प सीमित हो जाते हैं। कर्मचारियों का मूल्यांकन एचआर रिपोर्ट पर निर्भर करता है और नकारात्मक रिपोर्ट नौकरी को खतरे में डाल सकती है। ऐसे में कई लोग मजबूरी में चुप रह जाते हैं। कई बार कर्मचारियों पर अलग-अलग तरह के दबाव डाले जाते हैं। जो लोग विरोध नहीं कर पाते, वे धीरे-धीरे परिस्थितियों के आगे झुक जाते हैं और शोषण का शिकार बनते हैं। महिलाओं की चुप्पी को अक्सर उनकी सहमति समझ लिया जाता है, जो एक गलत मानसिकता को दर्शाता है। जहां लाचारी होती है, वहीं शोषण जन्म लेता है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब नौकरी की मजबूरी का फायदा उठाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया जाता है। देश में महिलाओं ने कई ऊंचे पद हासिल किए हैं, महिला मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री और राष्ट्रपति तक, फिर भी कार्यस्थल पर वे शोषण का आसान लक्ष्य बन जाती हैं, खासकर मध्य स्तर की नौकरी करने वाली महिलाएं। कुछ महिलाएं विरोध कर नौकरी छोड़ देती हैं, जबकि कुछ मजबूरी में सहन करती रहती हैं। टीसीएस प्रबंधन की सराहना की जा सकती है कि उसने आरोप सामने आने पर त्वरित कार्रवाई की और जांच में सहयोग दिया। मामला अब अदालत के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा में है, जहां विभिन्न तरह की राय सामने आ रही हैं। कोई भी कंपनी यह दावा नहीं कर सकती कि वहां यौन उत्पीड़न के मामले बिलकुल नहीं होते। महिलाओं को रोजमर्रा में छोटी-बड़ी टिप्पणियां, मजाक या अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ता है, चाहे वह आफिस हो या सार्वजनिक परिवहन। कई कंपनियां ड्रेस कोड और व्यवहार संबंधी नियम बनाती हैं, लेकिन कर्मचारियों की मानसिकता बदलना आसान नहीं है। आधुनिकता का दिखावा करने वाली कंपनियों के भीतर भी कई बार अंधेरा छिपा होता है। पब्लिक रिलेशन और छवि प्रबंधन के कारण कई घटनाएं सामने नहीं आ पातीं। धर्म परिवर्तन का मुद्दा संवेदनशील है। यदि यह स्वेच्छा से हो तो स्वीकार्य है, लेकिन दबाव या मजबूरी में हो तो विवाद उत्पन्न होता है। नौकरी करने वाली महिलाओं पर पारिवारिक जिम्मेदारियां भी होती हैं, जिसके कारण वे कई बार नौकरी छोड़ने का जोखिम नहीं उठा पातीं। कार्पोरेट जगत में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है और वे नेतृत्व की भूमिकाओं में भी आगे आई हैं। दूसरी ओर कई महिलाएं अब गलत व्यवहार को नजरअंदाज करने के बजाय उसका विरोध करना सीख रही हैं और आवश्यकता पड़ने पर शिकायत भी करती हैं। लेंसकार्ट जैसी कंपनी भी ड्रेस कोड विवाद में घिरी थी, जहां बिंदी या टीका लगाने पर रोक की बात सामने आई थी, जिसे बाद में कंपनी ने स्पष्ट किया। सोशल मीडिया पर इसकी कड़ी आलोचना हुई। कई राज्यों में मल्टीनेशनल कंपनियां हैं, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं काम करती हैं। कुछ मामलों के बाद कंपनियों ने सुरक्षा उपायों को मजबूत किया है। POSH एक्ट (2013) कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित एक महत्वपूर्ण कानून है। इसके तहत कुछ प्रमुख न्यायिक निर्णय- विशाखा बनाम राज्य राजस्थान- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न महिला के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। एपरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल बनाम ए.के. चोपड़ा-नियोक्ता कर्मचारियों के आचरण के लिए जिम्मेदार हैं। टीसीएस क्ळउ बनाम तनुजा प्रिया भट्ट-सुरक्षित कार्यस्थल और प्रभावी आंतरिक शिकायत समिति आवश्यक है। पूर्णिमा अडवाणी बनाम भारत संघ-POSH कानून सरकारी संस्थानों पर भी लागू होता है। संचयनी शर्मा बनाम नेशनल इंश्योरेंस-यौन उत्पीड़न केवल शारीरिक ही नहीं, मौखिक/इशारों में भी हो सकता है। मधु बनाम राज्य केरल-आरोपों को संभावना के आधार पर भी सिद्ध किया जा सकता है। अंजलि भारद्वाज बनाम भारत संघ-सभी सरकारी विभागों में शिकायत समितियां अनिवार्य हैं। HDFC बैंक बनाम विनोद कुमार-तीसरे पक्ष द्वारा उत्पीड़न होने पर भी नियोक्ता जिम्मेदार हो सकता है। कमलजीत कौर बनाम पंजाब एंड सिंध बैंक-शिकायत समिति का गठन न होने पर नियोक्ता दोषी माना जा सकता है।

सिसोदिया की कृति गूंज का भव्य लोकार्पण: सिसोदिया की सशक्त मिथकीय दृष्टि - डॉ.हरीश नवल

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। प्रणेता साहित्य न्यास के तत्वावधान में शक्ति नगर में स्थित शर्मा न्यू आट्र्स कॉलेज के सभागार में पुस्तक लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक,पत्रकार- विचारक डॉ शंभू पंवार ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी अकादमी के पूर्व उपसचिव ऋषि कुमार उपस्थित रहे जबकि अतिविशिष्ट अतिथि के तौर पर व्यंग्य-ऋषि डॉ. हरीश नवल व विशिष्ट अतिथियों की श्रेणी में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. सविता चडढा एवं वरिष्ठ व्यंग्यकार सुनील जैन 'राही' मंचासिन रहे।

प्रणेता साहित्य न्यास के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ एस जी एस सिसोदिया 'निसार' ने गरिमामय सानिध्य प्रदान किया। संयोजन संस्था की महासचिव शकुंतला मित्तल ने किया।कार्यक्रम का मनमोहक एवं प्रभावी संचालन का दायित्व संस्था की उपाध्यक्ष एवं प्रसिद्ध कवयित्री डॉ भावना शुक्ल के सशक्त हाथों में रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सुविख्यात वरिष्ठ कवयित्री वीणा अग्रवाल की सुमधुर मां सरस्वती की सुमधुर वंदना से हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। तथा 'शर्मा न्यू आट्र्स कॉलेज' के संचालक विवेकानंद शर्मा को विशिष्ट सम्मान से नवाजा गया। स्वागत उदबोधन में महासचिव शकुंतला मित्तल ने संस्था की साहित्यिक यात्रा एवं भावी योजनाओं से अवगत कराया। तत्पश्चात साहित्य न्यास के अध्यक्ष एस जी एस सिसोदिया के नवीनतम कहानी-संग्रह 'गूँज' का अतिथियों ने लोकार्पण किया। एस जी एस सिसोदिया ने उद्बोधन में अपनी नवीनतम कृति एवं उसके साहित्यिक उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि ऋषि कुमार शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि पुस्तक में पौराणिक पात्रों के माध्यम से वर्तमान समाज की जटिलताओं को प्रभावी ढंग से उकेरा गया है। वहीं सुनील जैन राही ने इसे भावनात्मक रूप से झकझोर देने वाली कृति बताया।डॉ.हरीश नवल ने सिसोदिया की सशक्त मिथकीय दृष्टि और कहानी शिल्प की सराहना की। प्रख्यात साहित्यकार डॉ.सविता चड्ढा ने कहा कि हम सब पुस्तक लेखन करते हैं, साहित्य सृजन करते हैं तो इसे साधारण कहा जा सकता है लेकिन जब एस.जी.एस. सिसोदिया जी साहित्य का सृजन करते हैं, उनकी किसी पुस्तक का प्रकाशन होता है तो यह है असाधारण भी है और हम सबके लिए अत्यंत गौरव का विषय है। प्रकाशक अशोक गुप्ता, विवेकानंद शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए।

डॉ. शंभु पंवार ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में रेखांकित करते हुए कहा कि सिसोदिया जी की पुस्तक गूंज यह केवल एक संग्रह नहीं है। यह लेखक की साधना, संघर्ष, संवेदनाओं और समाज के प्रति उनके दायित्व का सजीव दस्तावेज हैं।डॉ.पंवार ने कहा आज के इस तीव्र परिवर्तनशील युग में साहित्य की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।साहित्यकार समाज का आईना होता है। उनकी लेखनी समाज को दिशा बोध कराती है।डॉ.पंवार ने कहा कि साहित्य हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है,हमारी संस्कृति को जीवित रखता है।

आज की युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति और पौराणिक परंपराओं से विमुख होती जा रही है। संस्कार परिवार से मिलते है। मै आज जो भी है मेरे पिताजी से मिले संस्कारों की देन हूँ। डॉ सविता चडढा दीदी के व्यक्तित्व और जीवनशैली से अत्यंत प्रभावित हूं। युवा साहित्यकारों को चड्ढा जी के व्यक्तित्व ओर कृतित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए।

द्वितीय सत्र में आयोजित काव्य गोष्ठी में अनीता तिवारी, सरोज शर्मा, नीरज त्यागी, वनीता शर्मा, पुष्पा सिन्हा, वीणा अग्रवाल, प्रकाश कंवर, डॉ कल्पना पाण्डेय 'नवग्रह', तरूणा पुंढीर, रजनी बाला, अंजू अग्रवाल 'उत्साही', पूजा गुप्ता, सुमन पुष्करणा पुनीता सिंह,अशोक पाहूजा ने एक से एक बेहतरीन रचनाओं की प्रस्तुति से समा बांध दिया। लेखक कुमार सुबोध ने अपनी प्रथम कृति 'रिपोर्ताज' से संबंधित कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारियां सांझा की। अंत में डॉ भावना शुक्ल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा भगवान परशुराम की भव्य शोभा यात्रा निकाली

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मुरादाबाद। अखिल भारतीय ब्राहमण महासभा नगर मुरादाबाद की ओर से 22 वीं भगवान श्री परशुराम जी की शोभायात्रा का शुभारम्भ अत्यन्त भव्यता के साथ हुआ। शोभायात्रा का प्रारम्भ डॉ० प्रदीप शर्मा, हरिओम शर्मा क्षेत्रीय महामंत्री, श्याम बिहारी शर्मा, रोहताश शर्मा, सत्येन्द्र मिश्रा, गोपाल मिश्रा, विधायक रितेश गुप्ता ने नारियल फोड़कर तथा भगवान परशुराम जी की आरती तथा माल्यार्पण द्वारा किया। शोभायात्रा की अगुवाई अनिल कुमार शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, सचिन शंखधार, ऊषा शर्मा, ऋचा शर्मा, अमित शर्मा राजू, प्रणवीर शर्मा आदि ने की। शोभायात्रा में आगे बैनर था और उसके साथ ढोल वाले चल रहे थे। सबसे आगे भगवान श्री गणेश की झांकी थी, जिस पर सुशील शर्मा, विमलेन्द्र शर्मा, राजेन्द्र मोहन शर्मा, आशुतोष शर्मा प्रसाद वितरण कर रहे। राम-केवट संवाद के आगे भगवान राम का स्मरण करते हुए डॉ० आनन्द प्रकाश शर्मा, डॉ० राम अवतार शर्मा, डॉ० विनोद पाण्डेय, डॉ० पी के शुक्ला चल रहे थे। खाटू श्याम जी की झांकी के आगे सर्वेश कुमार शर्मा, वीरेन्द्र मोहन शर्मा, विशाल दीक्षित चल रहे।

राम दरबार के आगे वेद प्रकाश शर्मा, रत्नेश शर्मा, बैकुण्ड नाथ मिश्रा, मृगांक त्यागी चल रहे। राधा कृष्ण की झांकी के आगे राधे-राधे का भजन करते हुए संजय स्वामी, अनिमेष शर्मा, अवधेश पाठक, खेमपाल शर्मा, दीपक शर्मा। सम्भा जी के आगे करनवीर शर्मा, प्रदीप प्रभाकर, वेद प्रकाश शर्मा भट्टे वाले, डॉ० महेश चन्द्र शर्मा, धवल दीक्षित, अभय पाण्डेय, विवेक पाण्डेय रहे। धीरशान्त दास अर्द्धमौनी द्वारा की जा रही भजन प्रस्तुति के साथ राम प्रकाश शर्मा, राधेश्याम शर्मा, प्रमोद शर्मा, राकेश शर्मा, नरेश शर्मा, शरद शर्मा झूमते नाचते गाते चल रहे। अन्त में भगवान परशुराम जी के रथ के सम्मुख सत्येन्द्र शर्मा, हरिओम शर्मा, विद्या शरण शर्मा, अनूप कौशल, सिद्धार्थ शर्मा, नीटू उपाध्याय, चंचल शर्मा, धर्मेन्द्र नाथ मिश्रा, एस०वी० शर्मा, आदि चल रहे थे। शोभायात्रा में बैण्ड बाजे पर भक्ति धुन बज रही थी, जिस पर पंकज शर्मा, अरूण दीक्षित, नवम शर्मा, निशांक शर्मा, विशाल कौशिक, सुनील शर्मा, सुधांशु कौशिक, राजकुमार शर्मा, राजीव दुबे नृत्य कर रहे थे। शोभायात्रा आर.एन. इंटर कॉलेज में पूर्ण हुई। प्रो० डॉ० हरबंस दीक्षित, डॉ० विश्वास शर्मा, राजीव शर्मा, शुकन पारिख, इन्दु पारिख, डॉ० एम०एम० शर्मा, डॉ० प्रदीप शर्मा, अनिल शर्मा, सुनील शर्मा आदि ने भगवान परशुराम जी की आरती उतारी। अन्त में प्रणव शर्मा, उत्कर्ष त्रिपाठी, रामौतार शर्मा चुन्नू, मनोज व्यास, मनोज शर्मा आदि ने प्रसाद वितरण किया। शोभायात्रा में सम्मिलित उत्साह, उमंग, उल्लास व प्रेम के साथ भगवान परशुराम जी के जयकारे लगाते हुये चल रहे।

हापुड़ जिले की नई मुख्य विकास अधिकारी बनी श्रुति शर्मा

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में शासन स्तर पर हुए प्रशासनिक फेरबदल के तहत जनपद को नई मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) श्रुति शर्मा को मिली हैं। जबकि हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पद पर मुकेश चंद्र को तैनाती मिली है। वर्ष 2022 बैच की टॉपर अधिकारी श्रुति शर्मा को हापुड़ का सीडीओ नियुक्त किया गया है। इससे पहले वह देवरिया में ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद पर तैनात थीं। हापुड़ के वर्तमान सीडीओ हिमांशु गौतम का तबादला कर उन्हें झांसी विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। उनके कार्यकाल में जनपद में कई विकास योजनाओं को गति मिली थी। इसके अतिरिक्त, हापुड़ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. नितिन गौड़ को अमरोहा का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके स्थान पर

बहराइच के मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र को हापुड़ विकास प्राधिकरण का नया उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह व्यापक प्रशासनिक बदलाव शासन की रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विभिन्न जनपदों में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। इन नई तैनातियों से संबंधित अधिकारियों के अनुभव और कार्यशैली का लाभ संबंधित जिलों को मिलने की संभावना है।

निगम कर्मचारियों के स्वास्थय के प्रति सदैव गंभीर: मृत्युंजय

वेलमड हॉस्पिटल देहरादून के सहयोग से निगम ने लगाया कर्मचारी स्वास्थय जांच शिविर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा आज जनमंच परिसर में वेलमड हॉस्पिटल देहरादून के सहयोग से निगम कर्मचारियों के लिए एक स्वास्थय जांच शिविर लगाया गया। शिविर का शुभारंभ अपर नगरायुक्त मृत्युंजय ने किया। शिविर में करीब डेढ़ सौ कर्मचारियों का स्वास्थय परीक्षण किया गया। नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर जनमंच परिसर स्थित कुसुम विहार सभागार में आयोजित शिविर में वेलमड हॉस्पिटल द्वारा परामर्श के अलावा ईसीजी, बीपी व शुगर जांच निशुल्क की गयी। हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित चौहान ने निगम कर्मचारियों के हृदय सम्बंधी रोगों की जांच करते हुए हृदय रोगों से बचने के टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि हृदय रोगी समय-समय पर जांच कराने के अतिरिक्त चिकित्सकों द्वारा लिखी दवाईयां निरंतर लेते रहें। इसके अलावा सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष कंडारी ने भी निगम कर्मचारियों की जांच कर उन्हें स्वास्थय परामर्श दिया। आयुषी ने नेत्र जांच एवं टीम के सहयोगियों स्नेहा, वैभव जोशी, महावीर, परमिन्द्र, आकाश व सतवेंद्र ने ईसीजी, ब्लड प्रेशर एवं शुगर आदि की जांच में सहयोग किया। इससे पूर्व अपर नगरायुक्त मृत्युंजय ने स्वास्थय जांच शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए फ्रंट लाइन पर काम करने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ कार्यो के त्वरित गति से निष्पादन के लिए जरुरी है कि निगम के कर्मचारी स्वस्थ रहे। उन्होंने कहा कि फ्रंट लाइन पर काम करने वाले कर्मचारियों को नगर निगम द्वारा समय-समय पर गलब्स, मास्क व अन्य सफाई उपकरण उपलब्ध कराये जाते हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम अपने कर्मचारियों के स्वास्थय के प्रति सदैव गंभीर रहा है, आज का स्वास्थय जांच शिविर उसी दिशा में एक कदम है। अपर नगरायुक्त ने सभी चिकित्सकों की सीट तक पहुंचकर शिविर के सम्बंध में उनकी तैयारियों की भी जानकारी ली। नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह ने भी सम्बोधित किया। वेलमेड के मैनेजर

सागर कोहली व डॉक्टर्स टीम का नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह ने बुके देकर स्वागत किया। शिविर में मुख्य सफाई निरीक्षक परमानंद सहित अनेक सफाई निरीक्षक भी मौजूद रहे।

दीवान इंस्टीट्यूट में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' पर पोस्टर प्रतियोगिता व जागरूकता अभियान आयोजित

राजेंद्र सिंह

मेरठ(वेलकम इंडिया)। दिनांक 20 अप्रैल 2026 को दीवान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, परतापुर बाईपास मेरठ के बी.एड. विभाग द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं हस्ताक्षर जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिनियम के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना रहा। इस प्रतियोगिता में बी.एड., बीसीए, बी.कॉम एवं बीए के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. डॉ. मुनेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए उनके रचनात्मक प्रयासों की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुजा जॉर्ज स्टेनली एवं ऋचा ने किया। पोस्टर प्रतियोगिता में अभिषेक कंसल (बी.एड.) ने प्रथम स्थान, वंशिका (बी.कॉम) ने द्वितीय स्थान, प्रज्ञा (बीसीए) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि ज्ञाना (बीए) को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम की सफलता में पुष्पेंद्र कुमार, ज्योति पुंडीर मनोज कुमार, धर्मवीर सिंह, डॉ. राहुल गुप्ता, मीनू सचदेवा, डॉ. संगीता, डॉ. मोनिका सैनी सहित समस्त संकाय सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों की सराहना एवं विजेताओं को बधाई के साथ किया गया।

भक्ति और श्रद्धा के माहौल में गूंजा जय श्रीराम का उद्घोष, नवनिर्मित राम मंदिर में हुई भव्य प्राण प्रतिष्ठा

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। कोसी मार्ग स्थित उत्सव पैलेस में नवनिर्मित श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अत्यंत भव्य और श्रद्धामय वातावरण में संपन्न हुआ। पूरे परिसर में सुबह से ही ₹जय श्रीराम₹ के उद्घोष, वैदिक मंत्रों की गूंज और भक्तों की आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। बताया गया कि इस पावन आयोजन की शुरूआत 14 अप्रैल से हुई थी, जब हरदोई से पधारे विद्वान ब्राह्मणों द्वारा प्रतिदिन विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे थे। कई दिनों तक चले इस आध्यात्मिक अनुष्ठान के बाद सोमवार 20 अप्रैल को प्रातः 5:00 बजे से 11:00 बजे तक विशेष पूजन, हवन और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अंतिम अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। जैसे ही प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई, पूरा वातावरण भक्ति रस में डूब गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर के पट खुलते ही भगवान श्रीराम के दर्शन किए

और परिवार की सुख-समृद्धि तथा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से दर्शन कर अपने को धन्य महसूस किया। इस पावन अवसर पर उत्सव पैलेस परिसर में विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़, भजन-कीर्तन और धार्मिक उत्साह ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूती दी, बल्कि क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण भी स्थापित किया। श्रद्धालुओं का कहना था कि नवनिर्मित श्री राम मंदिर क्षेत्रवासियों के लिए आस्था का नया केंद्र बनेगा और यहां नियमित रूप से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक आयोजन होते रहेंगे। इस अवसर पर वीरेन्द्र जौली, विजय जौली, वीरेन्द्र गर्ग, सुनील गोयल, योगेश गर्ग, अर्पित अग्रवाल, प्रदीप सक्सेना, सुमन जौली, रेनू गर्ग, पूनम अग्रवाल, अनीता गोयल, रेनू सक्सेना, विष्णु शरण अग्रवाल, हरीश चन्द्र ठेकेदार, सुभाष अग्रवाल, अरविद अग्रवाल आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहें।

गढ़मुक्तेश्वर में समाजवादी महिला सम्मान समारोह: मुक्तेश्वरा गांव में 200 से अधिक महिलाओं का सम्मान

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के मुक्तेश्वरा गांव में समाजवादी महिला सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 200 से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के चल रहे महा अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत विधानसभा क्षेत्र में 10,000 महिलाओं को सम्मानित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आशुतोष शर्मा ने कहा कि समाजवादी सरकार में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष Akhilesh Yadav के निदेशानुसार गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में महिलाओं के सम्मान और उनके उत्थान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी विशेष योजनाएं चलाई जाएंगी। समारोह का संचालन समाजवादी पार्टी के नेता अंकित भड़ाना ने किया। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए सामाजिक भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं, समाजवादी नेता विक्रम गुर्जर ने महिलाओं से एकजुट होकर समाजवादी सरकार बनाने का आह्वान किया और Akhilesh Yadav को मजबूत करने की अपील की।

जूता शो रूम के ऊपर चल रहा है रेस्टोरेंट

थाना सिविल लाइन पुलिस की नाक के नीचे चल रहा है अय्याशी का गौरखधंधा

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। थाना सिविल लाइन पुलिस की नाक के नीचे खुलेआम अय्याशी की जा रही है। जिसपर अकुश लगाना बहुत जरूरी हैं। लोगों का कहना है कि रामपुर में होटल, रेस्टोरेंट व कैफे में बेहयाई आम होती जा रही है।

स्कूल की लडकिया अपने घरो से ट्यूशन व पढ़ाई के लिए घर से तो निकल रही है लेकिन वह पढ़ाई के बजाय युवकों से मिलने जा रही है जो रामपुर के लिए घातक सिद्र होता जा रहा है।

लोगों का कहना है कि थाना सिविल लाइन क्षेत्र शौकत अली रोड स्थित एक मशहूर जूता कपनी शोरूम की छत पर रेस्टोरेंट चल रहा है जिसमें बड़ी संख्या में युवक व युवतियों को मिलाया जा रहा है।

हालाकि उक्त स्थान से कुछ ही दूरी पर पुलिस अपनी पूरी ईमानदारी के साथ डयूटी करती हुई नजर आयेगी लेकिन थाना सिविल लाइन पुलिस ने इस रेस्टोरेंट से अपनी आख मूद रखी है। रामपुर एक तहजीबी शहर रहा है और यहां पर इस तरह की गदगी की कोई गुंजाइश नहीं हैं इसके बावजूद भी ऐसे रेस्टोरेंट, कैफे व होटलों पर इस तरह की गतिविधिया चल रही है जो किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

उक्त रेस्टोरेंट पर पुलिस कार्यवाही होना चाहिए साथ ही साथ इस तरह के जितने भी होटल, रेस्टोरेंट व कैफे चल रहे है उनकी जांच कर कार्यवाही की जानी चाहिए। रामपुर की गंगा जमुनी तहजीब को खराब करने की कोशिश को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

97% अंक लाकर वंशिका त्यागी ने किया हापुड़ का नाम रोशन

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। दीवान पब्लिक स्कूल, मेरठ रोड हापुड़ की छात्रा वंशिका त्यागी ने सीबीएसई हाई स्कूल परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। वंशिका त्यागी, जो विकास त्यागी (पूर्व सचिव, हापुड़ बार एसोसिएशन) की पुत्री एवं आवास विकास कॉलोनी, हापुड़ की निवासी हैं, ने अपनी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अपनी सफलता का श्रेय वंशिका ने अपने स्कूल, शिक्षकों तथा दादा-दादी और परिवारजनों को दिया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य भविष्य

में एक अधिकारी बनकर समाज की सेवा करना है। वंशिका की इस उल्लेखनीय सफलता पर हापुड़ बार एसोसिएशन के समस्त अधिवक्ताओं सहित सर्व समाज ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संभावित हीट वेव को लेकर एडवाइजरी जारी, सतर्क रहने की अपील

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद में बढ़ते तापमान एवं आगामी दिनों में संभावित हीट वेव (लू) के खतरे को दृष्टिगत रखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जिलाधिकारी श्री अजय कुमार द्विवेदी के निदेशानुसार यह एडवाइजरी आमजन की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से जारी की गई है।

तापमान 40 डिग्री पार होने की संभावना, सतर्कता आवश्यक

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तक पहुंच सकता है, जिससे हीट वेव की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में नागरिकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

दोपहर में बाहर निकलने से बचें, रखें विशेष सावधानी

एडवाइजरी के अंतर्गत नागरिकों को सलाह दी गई है कि दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं एवं शरीर को हाइड्रेट रखें। हल्के, ढीले एवं सूती कपड़े पहनें तथा सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें।

बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का रखें विशेष ध्यान

बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बच्चों एवं पालतू जानवरों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ने की भी अपील की गई है। घरों में खिड़कियों पर पर्दे या कूलिंग सामग्री लगाकर अंदर का तापमान नियंत्रित रखने की सलाह दी गई है।

हल्का भोजन लें, लू के लक्षण दिखें तो तुरंत इलाज कराएं

अत्यधिक गर्मी के दौरान भारी एवं तैलीय भोजन से बचने तथा हल्का एवं संतुलित आहार लेने की सलाह दी गई है। यदि किसी व्यक्ति में लू लगने के लक्षण जैसे चक्कर आना, तेज बुखार, उल्टी या अत्यधिक कमजोरी दिखाई दे, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने के निर्देश दिए गए हैं।

सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं। स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दवाइयों एवं प्राथमिक उपचार की पर्याप्त व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अफवाहों से बचें, केवल आधिकारिक सूचनाओं पर करें विश्वास

जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे जारी एडवाइजरी का पालन करें, अफवाहों से बचें तथा केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

डीएम मनीष बंसल की एंट्री, संवेदनशीलता की छाप छोड़कर जा रहे हैं अरविंद मलप्पा बंगारी

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में प्रशासनिक हलकों में बड़ा फेरबदल करते हुए सरकार ने आगरा के जिलाधिकारी पद पर मनीष बंसल को नियुक्त किया है, जो अब तक सहारनपुर में जिलाधिकारी के रूप में कार्यरत थे वहीं आगरा के निवर्तमान डीएम अरविंद मलप्पा बंगारी को मुख्यमंत्री का विशेष सचिव बनाकर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है आगरा में डीएम पद से एक ऐसे अधिकारी की विदाई हो रही है जिनकी कार्यशैली और संवेदनशीलता ने आमजन के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है जिलाधिकारी के रूप में अरविंद मलप्पा बंगारी का कार्यकाल आगरा के लोगों के लिए लंबे समय तक यादगार रहेगा उनकी सबसे बड़ी पहचान रही हर व्यक्ति तक आसान पहुंच और त्वरित न्याय आम आदमी हो या प्रभावशाली व्यक्ति, हर कोई अपनी बात सीधे डीएम तक पहुंचाता रहा और इनका त्वरित समाधान भी होता रहा पिछले वर्ष खेरागढ़ क्षेत्र में देवी प्रतिमा विसर्जन के दौरान दर्जन भर युवकों के नदी में डूबने की दर्दनाक घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया था कई दिनों तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान डीएम अरविंद मलप्पा बंगारी मौके पर ही डटे रहे थे परिजनों के आंसुओं और बेचैनी के बीच उनका वहां रहना प्रशासनिक कर्तव्य से कहीं बढ़कर मानवीय संवेदना का उदाहरण बन गया इस हादसे के पीछे अवैध खनन से बने गहरे गड्ढे जिम्मेदार थे, जिसके बाद उन्होंने पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर खनन माफिया पर करारा प्रहार भी किया।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष राजवीर लवानिया डीएम बंगारी की त्वरित कार्रवाई का एक उदाहरण देते हुए बताते हैं कि शमसाबाद ब्लॉक के सभागार को एक बैठक के लिए वहां के कर्मचारी नहीं खोल रहे थे उन्होंने डीएम से बात की तो उन्होंने तत्काल सभागार खुलवाया सभागार के अंदर का नजारा देखकर वे दंग थे वहां शराब और बीयर की खाली बोतलें पड़ी हुई थीं लवानियां बताते हैं कि उन्होंने डीएम को इस बारे में सूचना दी डीएम बंगारी ने तुरंत मौके पर अधिकारी भेजकर जांच कराई शिकायत सही मिलने पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को चेतावनी जारी की उनकी यह कार्रवाई प्रशासनिक सख्ती और जवाबदेही का स्पष्ट संदेश थी आगरा में आई बाढ़ के समय भी अरविंद मलप्पा बंगारी की कार्यशैली अलग नजर आई उन्होंने दफ्तर में बैठकर आदेश देने के बजाय खुद मैदान में उतरकर हालात संभाले बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचने के लिए वे ट्रैक्टर पर सवार हुए और राहत कार्यों की निगरानी खुद की पीड़ितों को तत्काल सहायता पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रही।

नए डीएम के रूप में मनीष बंसल के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी-निवर्तमान डीएम अरविंद मलप्पा बंगारी द्वारा स्थापित जनविश्वास को बनाए रखना और उसे आगे बढ़ाना सहारनपुर में उनके अनुभव को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि वे आगरा में भी प्रशासनिक कसावट और जनसरोकारों का संतुलन बनाए रखेंगे।

क्षेत्र पंचायत बैठक में विकास कार्यों को मिली रफ्तार, तीन करोड़ के प्रस्ताव स्वीकृत

फतेह खान

शुजागंज(वेलकम इंडिया)। विकासखंड रुदौली के सभागार में सोमवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लॉक प्रमुख शिल्पी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि रुदौली विधायक रामचंद्र यादव रहे। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए करीब तीन करोड़ रुपये के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई।स्वीकृत प्रस्तावों के तहत क्षेत्र में सड़क, खड़ंजा, नाला निर्माण सहित अन्य आवश्यक विकास कार्य कराए जाएंगे। बैठक को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से समुचित व्यवस्थाएं की गई थीं।बैठक में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा जिला पंचायत सदस्य शामिल हुए। इस दौरान राज्य वित्त, पंचम वित्त, मनरेगा, आवास, पेंशन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक विधायक रामचंद्र यादव की उपस्थिति में लगभग 12 बजे शुरू हुई। इस दौरान राजस्व, खाद्य एवं रसद, स्वास्थ्य, विद्युत तथा श्रम विभाग सहित कई विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर विधायक ने नाराजगी जताई और कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विवाह सीजन शुरू होने से गैस आपूर्ति की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में सप्लाई इंस्पेक्टर की उपस्थिति आवश्यक थी। बैठक के अंत में सप्लाई इंस्पेक्टर शशांक सिंह पहुंचे। वहीं भीषण गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर भी नाराजगी जताते हुए पत्र जारी करने की बात कही गई। खंड विकास अधिकारी सूर्य प्रकाश मिश्रा ने बताया कि बैठक में प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों की ओर से कुल 25 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से लगभग तीन करोड़ रुपये के प्रस्ताव स्वीकृत किए गए हैं। बैठक में खंड विकास अधिकारी सूर्य प्रकाश मिश्र, सहायक विकास अधिकारी आर. डी.भगवादीन, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्याम नारायन सिंह,एडीओ पंचायत राकेश चौधरी,समाज कल्याण रवीश मिश्रा,आदि लोग मौजूद रहे।

बेमौसम बारिश से बर्बाद गेहूं फसल का किसानों को मिला मुआवजा, विधायक ने 45 किसानों को 2.70 लाख रुपये के चेक सौंपे

वेलकम इंडिया संवाददाता

टाण्डा। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की मार से गेहूं की फसल बर्बाद होने वाले किसानों को प्रशासन ने त्वरित राहत पहुंचाई। सोमवार दोपहर तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक शफीक अहमद अंसारी और एसडीएम राजकुमार भास्कर ने 45 प्रभावित किसानों को कुल 2 लाख 70 हजार रुपये की राहत राशि के चेक वितरित किए। इस दौरान बलराम सिंह को 9,350 रुपये, सरोज को 10,218 रुपये और विशेष कुमार को 9,622 रुपये के चेक प्रदान किये गए। शेष किसानों को भी उनके नुकसान के आधार पर राहत राशि दी गई। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक शफीक अहमद अंसारी ने कई गांवों से पहुंचे किसानों को चेक बांटे। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। विधायक ने जनता से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर एसडीएम राजकुमार भास्कर, तहसीलदार निश्चय कुमार, प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा,विधायक के स्थानीय प्रतिनिधि शरीफ जमील,सुहैल गुड्डू और क्षेत्र के लेखपाल आदि मौजूद रहे।

जनता दरबार लगाकर जिलाधिकारी ने सुनी जन समस्याएं: शिकायतों का किया त्वरित निस्तारण, लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

गोविन्द मेहता

बागेश्वर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें जिलेभर से आए शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। इस दौरान मुख्यतः बिजली, सड़क, पेयजल, आपदा प्रबंधन सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों के निस्तारण के निर्देश दिए, जिससे अधिकांश मामलों का समाधान तत्काल कर दिया गया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि यदि किसी पात्र लाभार्थी को नियमों की जानकारी के अभाव या लापरवाही के कारण योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है, तो यह संबंधित विभागीय अधिकारी की जिम्मेदारी मानी जाएगी और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कांडा पंपिंग योजना की दैनिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जनपद के प्रत्येक गांव में शत-प्रतिशत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित जनसमस्याओं पर विभागवार स्थिति की समीक्षा की तथा सभी मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी ने नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त किया, जिस पर जिलाधिकारी ने ईओ को टीम बनाकर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन एवं जनपद स्तरीय हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब किया तथा शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि सौ प्रतिशत शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने जनगणना संबंधी कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने-अपने स्तर पर स्व-गणना प्रक्रिया पूर्ण करने की तथा जन जागरूकता बढ़ाने और कार्यों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही, उन्होंने समस्त कार्यालय अध्यक्षों को समूहों में बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं एवं गतिविधियों की नियमित और प्रभावी सूचना साझा करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर सीडीओ आर.सी. तिवारी, उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में हवन-पूजन के साथ हुआ नवीन सत्र का शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

टाण्डा(रामपुर)। नगर के प्रतिष्ठित सरस्वती शिशु मंदिर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ के उपलक्ष्य में ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती का भव्य आह्वान किया गया। विद्यालय परिसर में माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख पुष्पार्चन कर दिव्य वातावरण सृजित किया गया। बादली निवासी पंडित दिवाकर शर्मा ने मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत हवन सम्पन्न कराया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य गजेन्द्र सिंह ने सभी भैया-बहनों को मंत्रोच्चारण सहित हवन में आहुतियाँ दिलवाईं, जिससे बच्चों में ज्ञान, संस्कार और श्रद्धा का भाव जागृत हुआ।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक अशरफी लाल एवं अध्यक्ष राजकुमार सक्सैना भी उपस्थित रहे और उन्होंने इस शुभ अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ दीं। आचार्य परिवार की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया। इस अवसर पर हरि सिंह, संजीव कुमार, प्रदीप कुमार, राजेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, विनीता, बबीता, पारुल, सची सुगन, शोभना, रजनी, मानसी और रुबी आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन माँ सरस्वती की आरती एवं प्रसाद स्वरूप हलवा वितरण के साथ किया गया।

श्रीधाम वृन्दावन में भक्ति ही सर्वोपरि है : डॉ. सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। चैतन्य विहार-पापड़ी चौराहा स्थित भक्ति मन्दिर का 26 वां पाटोत्सव विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अत्यंत श्रद्धा व धूमधाम से सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम प्रातः काल भक्ति महारानी की प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक करके उनका वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पूजन-अर्चन किया गया। तत्पश्चात विश्व शांति हेतु वृहद महायज्ञ सम्पन्न हुआ।जिसमें वेदज्ञ विप्रों व देश के विभिन्न प्रांतों से आए सैकड़ों भक्तों व श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। भक्ति मन्दिर के सेवायत आचार्य डॉ. सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी ने कहा कि श्रीधाम वृन्दावन में भक्ति सर्वोपरि है। साथ ही यहां उसी की महत्ता है।इसीलिए हमारे पूज्य पिताश्री स्व. डॉ. वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी ने यहां भक्ति मन्दिर की स्थापना की। श्रीधाम वृन्दावन का यह भक्ति मन्दिर विश्व का एकमात्र ऐसा मन्दिर है जहां पर कि भक्ति महारानी मूर्तिमान स्वरूप में विराजित हैं। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे पूर्व विधायक राजकुमार रावत ने कहा कि भक्ति मन्दिर अत्यंत सिद्ध व चमत्कारिक मन्दिर है। यहां आने वाले प्रत्येक भक्त की मनोकामना निश्चित ही पूर्ण होती है। इसीलिए यहां देश-विदेश के असंख्य श्रद्धालु आते रहते हैं। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित प्रख्यात साहित्यकार ₹यूपी रत्न₹ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि ब्रज भूमि भक्ति की वो दिव्य भूमि है, जहां अनपढ़ गोपियों की दृढ़ भक्ति ने ब्रह्मज्ञानी उद्धव के ज्ञान के घमंड को चूर-चूर कर दिया था।इसीलिए ब्रजभूमि में प्रभु के तमाम भक्त हुए हैं। महोत्सव में जिलाधिकारी कार्यालय के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हरदेव कृष्ण चतुर्वेदी, भक्ति मन्दिर के प्रबन्धक आनंद कुमार चौबे, नारायण चतुर्वेदी, आशीष चतुर्वेदी, गोविंद शरण रावत, मेघश्याम रावत (मोनू भैया), आनंद कुमार चौबे, धुव्र चतुर्वेदी, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, पृथु चतुर्वेदी आदि की उपस्थिति विशेष रही।

अक्षय तृतीया पर ठाकुर श्री चतुभुर्जी महाराज के चंदन शृंगार के अदभुत दर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/छाता। प्राचीन श्री चतुर्भुज मंदिर में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर ठाकुर जी को दिव्य चंदन का शृंगार किया।

वर्तमान मंदिर सेवायत गंगाश्याम ने जानकारी देते हुए बताया वैशाख मास की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता है, इस दिन ठाकुर जी को विभिन्न जड़ी बूटियों के रस से स्नान कराया जाता है, हाथ से घिसकर केसर, कपूर, गोरोचन, गुलाब जल, चंदन मिश्रित लेप तैयार किया जाता है।

ठाकुर जी के लिए गर्मी से राहत के लिए आज से गुलाब, खश, मोगरा इत्र से सेवा शुरू की जाती है। ठाकुर जी को शीतलता प्रदान करने के लिए आमरस, शीतल पेय, सत्तू का भोग अर्पित किया जाता है।

गौरव जी महाराज ने बताया अक्षय तीज से ठाकुर जी की चंदन यात्रा आरंभ होती है। आज ठाकुर जी के में विराजमान दस अवतार के भी दर्शन का लाभ प्राप्त होता है।

साल में होने वाले एक बार दर्शन के लिए भक्तों की सुबह मंगला आरती से ही भीड़ रहती है अद्भुत दर्शन का सभी प्रभु प्रेमी आनंद लेते है। प्रसाद में ठाकुर को लगाया गया सतुआ प्रसाद वितरण किया जाता है।

ताजनगरी मे कार बनी आग का गोला मची अफरा-तफरी

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में एमजी रोड स्थित दीवानी परिसर में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब पार्किंग में खड़ी एक कार में अचानक भीषण आग लग गई तेज गर्मी के बीच लगी ।

इस आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया और कार से उठती ऊंची-ऊंची लपटों ने पूरे परिसर में अफरा-तफरी मचा दी प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ जिसके बाद देखते ही देखते आग भड़क उठी मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए पास खड़ी अन्य गाड़ियों को तुरंत हटाना शुरू किया।

कई वाहनों को धक्का देकर सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया जिससे बड़ा हादसा टल गया हालांकि आग की चपेट में दो अन्य कारें भी आ गईं लेकिन समय रहते उन्हें बचा लिया गया।

इन दोनों गाड़ियों में मामूली नुकसान हुआ है सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया तब तक आग लगने वाली कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है शुरूआती अंदेशा तेज गर्मी या शॉर्ट सर्किट की ओर जताया जा रहा है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि घटना के समय कार मालिक मौके पर मौजूद नहीं था देर शाम तक भी वाहन के मालिक की पहचान नहीं हो सकी थी पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

ताज सुरक्षा पुलिस की तत्परता महाराष्ट्र के 4 पर्यटकों को ग्रुप से मिलाया

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में ताजनगरी ताजमहल घूमने आए महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के पर्यटकों के एक समूह के चार सदस्य अचानक अपने साथियों से बिछड़ गए। ताज सुरक्षा पुलिस की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई के चलते इन सभी पर्यटकों को महज 30 मिनट के भीतर सुरक्षित उनके ग्रुप से मिलाया गया, जिससे एक संभावित परेशानी टल गई। जानकारी के अनुसार, करीब 50 पर्यटकों का एक दल ताजमहल का भ्रमण करने आगरा आया था।

भ्रमण के बाद सुनीता सदाशिव (60 वर्ष), सदाशिव जगन्नाथ (65 वर्ष), नलिनी कृष्ण पवार (65 वर्ष) और मालन नाना सुखेदार (65 वर्ष) गलती से अपने समूह से अलग हो गए। ये चारों पर्यटक पश्चिमी गेट से बाहर निकलकर अपने वाहन की तलाश में पार्किंग क्षेत्र में पहुंच गए और करीब दो घंटे तक बस खोजते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली।

स्थिति समझ में आने पर पर्यटकों ने ताजमहल के पश्चिमी गेट पर तैनात ताज सुरक्षा पुलिस से मदद मांगी। उप निरीक्षक शिवराज सिंह ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले, रेडियो अनाउंसमेंट कराया और आरटी सेट के माध्यम से संदेश प्रसारित किया। साथ ही पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्रों में भी खोजबीन शुरू कर दी।

पुलिस की तेज कार्रवाई का परिणाम यह रहा कि महज 30 मिनट के भीतर पर्यटकों की बस को 'कलाकृति' क्षेत्र के पास चिन्हित कर लिया गया और सभी चारों पर्यटकों को सुरक्षित उनके समूह से मिला दिया गया। अपने साथियों से मिलते ही पर्यटकों के चेहरे पर राहत साफ दिखाई दी। इस दौरान पर्यटकों ने आगरा पुलिस की तत्परता और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि ताज सुरक्षा पुलिस की वजह से उनकी बड़ी परेशानी पलभर में दूर हो गई।

नवनिर्मित कन्हैया धाम आश्रम का सप्तदिवसीय उदघाटन समारोह धूमधाम से प्रारम्भ

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। ब्रज धाम कॉलोनी में नवनिर्मित कन्हैया धाम आश्रम का सप्तदिवसीय उदघाटन समारोह विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य अत्यंत श्रद्धा और धूमधाम के साथ आरम्भ हो गया है। महोत्सव का शुभारंभ कन्हैया धाम आश्रम के संस्थापक आचार्य सुमंत कृष्ण शास्त्री महाराज (कन्हैया जी) के सानिध्य में प्रातःकाल गाजे-बाजे के मध्य निकाली गई श्रीमद्भागवतजी की भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। तत्पश्चात व्यासपीठ से प्रख्यात भागवत प्रवक्ता आचार्य मृदुलकांत शास्त्री महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा देश-विदेश से आए समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के महात्म्य की कथा श्रवण कराई। इससे पूर्व यजमान परिवार द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीमद्भागवत महापुराण ग्रंथ एवं व्यासपीठ का पूजन किया। साथ ही उनकी आरती की गई तथा उद्घाटन से संबंधित पूजन का कार्य विश्वविख्यात 'याज्ञिक रत्न' आचार्य विष्णुकांत शास्त्री महाराज के निर्देशन में कई विप्रों के द्वारा अत्यंत विधि-विधान से किया जा रहा है। प्रख्यात साहित्यकार 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमज्जगद्गुरु श्रीनाभाद्वाराचार्य स्वामी सुतीक्ष्णदास देवाचार्य महाराज एवं भागवत भूषण 'मानस राजहंस' डॉ. मनोज मोहन शास्त्री महाराज (पुराणाचार्य) की सद्प्रेरणा से आयोजित इस महोत्सव के अंतर्गत 21 अप्रैल 2026 को सायं 06 बजे से श्रीहनुमद् आराधन मण्डल (रजि.) के तत्वावधान में बागेश्वर धाम सरकार के परम कृपापात्र रोहित रिछारिया के द्वारा सुन्दर काण्ड का संगीतमय सामूहिक पाठ किया जाएगा। जिसमें धर्म व अध्यात्म जगत के अनेकों विद्वान भाग लेंगे। इसके अलावा 26 अप्रैल को हवन की पूर्णाहुति व वृहद भंडारे के साथ महोत्सव का समापन होगा।

'अंबेडकर जयंती पर अपमान का आरोप: चप्पल पहनकर प्रतिमा पर पुष्प अर्पण, मामला पहुंचा आयोग और मुख्यमंत्री तक'

पीलीभीत में बढ़ा विवाद, सोशल मीडिया पर वायरल फोटो से भड़का जनाक्रोश – सख्त कार्रवाई की मांग तेज

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। अंबेडकर जयंती के अवसर पर हुआ एक विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है और मामला स्थानीय स्तर से निकलकर उच्च संस्थानों तक पहुंच गया है। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम नवदिया दुर्जनपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर चप्पल पहनकर पुष्प अर्पित करने की कथित घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश की लहर पैदा कर दी है।

बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान हुई इस घटना की तस्वीरें जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, लोगों में गहरा आक्रोश फैल गया।

Applicant name - veeru gautam
Father / Husband name - rajkumar
Mobile number 1 - 9369028730
Address - Village - जगतपुर, Village Panchayat - जगतपुर, Block - पूरनपुर, Tehsil - पूरनपुर, District - पीलीभीत

Application details

Complaint No - 40015126008991
Complaint Type - शिकायत
Complaint Date - 19-04-2026
Complaint Status - लंबित
Application details
सेवार्थ, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय, जनपद – पीलीभीत, उत्तर प्रदेश विषय भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा के प्रति सार्वजनिक रूप से किए गए घोर अपमान, सामाजिक भावनाओं को आहत करने एवं विधिसम्मत कठोर कार्यवाही किए जाने ...

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इसे महापुरुष का अपमान बताते हुए कड़ी निंदा की है। लोगों का कहना है कि यह कृत्य न केवल असम्मानजनक है बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करने वाला है।

इस पूरे प्रकरण में शिकायतकर्ता ने सक्रियता दिखाते हुए पुलिस अधीक्षक पीलीभीत को संबोधित एक विस्तृत और विधिक रूप से मजबूत प्रार्थना पत्र तैयार किया। हालांकि इसे सीधे कार्यालय में देने के बजाय ऑनलाइन माध्यम से अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर दर्ज कराया गया। आयोग द्वारा शिकायत स्वीकार किए जाने के बाद अब यह मामला संस्थागत स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है।

यहीं नहीं, शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल पर भी इस घटना की शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि इस प्रकार का कृत्य समाज में वैमनस्य फैलाने वाला है और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है।

घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच भारी नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ऐसे मामलों पर समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो इससे सामाजिक संतुलन बिगड़ सकता है और भविष्य में इस तरह की घटनाएं बढ़ सकती हैं। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से यह भी मांग की है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोषी के खिलाफ उदाहरण प्रस्तुत करने वाली कार्रवाई की जाए, ताकि आगे कोई भी व्यक्ति महापुरुषों की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके। अब जबकि मामला अनुसूचित जाति आयोग और मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच चुका है, प्रशासन की कार्यशैली और कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस संवेदनशील मुद्दे पर कितनी तेजी और गंभीरता से कदम उठाता है।

दावत खाकर लौट रहे दो युवकों के साथ मारपीट, कार्रवाई की मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान में वलीमे की दावत में शामिल होने आए बुढ़ाना निवासी दो युवकों के साथ मारपीट हो गई ।मारपीट में दोनों युवक घायल हो गए। पीड़ितों ने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मुजफ्फरनगर जनपद के कस्बा बुढ़ाना निवासी नसीम का पुत्र रिहान और समीर का पुत्र इरफान कस्बे के मोहल्ला रायजादगान में हसीन के यहां आयोजित वलीमे की दावत में शामिल होने आए थे। आरोप है कि रविवार की देर शाम दावत से लौटते समय जब दोनों युवक कस्बे की नहर पुलिया के पास पहुंचे, तभी कई अज्ञात लोगों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल दोनों युवकों ने किसी तरह मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी। इसके बाद परिजन घायलों को लेकर थाने पहुंचे, जहां अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने पीड़ितों को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

रेलवे ट्रैक पर चौकीदार की ट्रेन से कटकर मौत, हादसा या आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के रेलवे स्टेशन के समीप सोमवार को ट्रेन से कट कर करीब 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।पुलिस द्वारा मृतक की पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। जैसे ही घटना की खबर परिवार तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया।

परिजन और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल है। सोमवार को दिल्ली से सहारनपुर जा रही एक ट्रेन की चपेट में आकर 35 वर्ष से व्यक्ति की मौत हो गई स्टेशन में आसपास मौजूद लोगों में सनसनी फैल गई। जानकारी के बाद मौके पर जीआरपी पुलिस पहुंची जिन्होंने शव की शिनाख्त मुजफ्फरनगर के गांव जोला निवासी इनाम के रूप में की ।मृतक के चचेरे भाई शहजाद ने बताया कि मृतक इनाम जनपद मुजफ्फरनगर के बुढाना कोतवाली में चौकीदार के पद पर कार्यरत था।

वह अपने पीछे तीन छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गया है, जिनमें दो बेटे और एक बेटी शामिल हैं। परिवार की जिम्मेदारी अब पूरी तरह अनिश्चितता में आ गई है, जिससे परिजनों की चिंता और भी बढ़ गई है ।घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या और हादसे के बीच उलझा हुआ है। पुलिस दोनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही हैजीआरपी पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पीड़ित परिवार ने सरकार से आर्थिक सहायता और उचित मुआवजे की मांग की है, ताकि बच्चों के पालन-पोषण और भविष्य की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। चौकीदार की मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर शोभायात्रा में पुष्प वर्षा, जयकारों से गूंजा वातावरण दिव्या गंगवार चौ प्रदीप पटेल

लुकमान खान

पीलीभीत बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भगवान परशुराम के जयकारे लगाए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर सपा नेत्री दिव्या गंगवार एवं समाजसेवी चौधरी प्रदीप पटेल ने अपने साथियों के साथ शोभायात्रा में शामिल होकर पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। साथ ही राहगीरों एवं श्रद्धालुओं के लिए जल वितरण की व्यवस्था भी की गई, जिसकी लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में रेनू गंगवार, अनिल गंगवार, कुलदीप मिश्रा, डॉ. रवि गंगवार, सुनील गंगवार, सियाराम मिश्रा, मलखान वर्मा, रामपाल पटेल, मनोज कुमार, अखिलेश मिश्रा, रजनीश मिश्रा, भानु गंगवार एवं अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता, भाईचारा और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा मिलता है।

भव्य आयोजन: बीसलपुर में भगवान परशुराम मंदिर का होगा शिलान्यास, धार्मिक उत्साह चरम पर

लुकमान खान

पीलीभीत बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। नगर में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के मंदिर निर्माण को लेकर जबरदस्त उत्साह का माहौल बना हुआ है। श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, वहीं आयोजन को लेकर तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 20 अप्रैल 2026 को दोपहर 1:30 बजे बाबा श्यामलदास जी की मढ़ी, मोहल्ला दुबे, बीसलपुर में मंदिर का विधिवत शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

यह भव्य धार्मिक आयोजन समाजसेवी अमन जायसवाल (निवकी) के संयोजन में किया जा रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख गणमान्य नागरिकों, धर्मप्रेमियों एवं सैकड़ों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। आयोजन स्थल पर विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आयोजकों के अनुसार, शिलान्यास कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि-विधान के साथ संपन्न कराया जाएगा, जिसमें विद्वान पंडितों की उपस्थिति रहेगी। इस दौरान पूजा-अर्चना, हवन एवं धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण का संचार होगा। समाजसेवी अमन जायसवाल ने सभी क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस ऐतिहासिक और पावन अवसर के साक्षी बनें तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। स्थानीय लोगों का मानना है कि मंदिर निर्माण से क्षेत्र में धार्मिक आस्था को नई दिशा मिलेगी और यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा। पूरे नगर में इस आयोजन को लेकर उल्लास और उमंग का माहौल बना हुआ है।

डीएम की अध्यक्षता में "धरती माता बचाओ अभियान" अंतर्गत जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक हुई आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में "धरती माता बचाओ अभियान" अंतर्गत जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला कृषि अधिकारी डॉ0 सर्वेश कुमार यादव द्वारा अवगत कराया गया कि शासन द्वारा जारी शासनादेश के तहत आगामी 01 मई 2026 से उर्वरकों का वितरण में फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य किया गया है। वर्तमान समय में जनपद में उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है । बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जोत/रकबा के आधार पर ही किसानों को उर्वरक वितरण किया जाए। गत वर्ष के सापेक्ष यूरिया, डीएपी एवं एनपीके के वितरण पर नजर रखी जाए। अनियमितता मिलने पर तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संबंधित विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिक उर्वरक खरीद करने वाले वालों पर भी नजर रखी जाए। कृषि गोष्ठी एवं मेलों के आयोजन के माध्यम से भी किसानों को संतुलित उर्वरकों को प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित एवं जागरूक किया जाए। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक डा0 राकेश कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी डा0 सर्वेश कुमार यादव, प्रभारी सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक मनोज कुमार, जिला प्रबंधक अखिलेश कुमार, डीपीआरओ मनोज कुमार, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सहित विनिमार्ता कंपनियों के प्रतिनिधि एवं सम्बंधित अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

बीडीआरएल फिएस्टा 2026 में बॉलीवुड का तड़का, विद्यार्थियों पर बरसे इनाम – रत्नेश गंगवार का जन्मदिन भी बना खास

लुकमान खान

पीलीभीत बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। बाला देवी रोशन लाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में आयोजित बीडीआरएल फिएस्टा 2026 इस बार शिक्षा, संस्कृति और मनोरंजन का शानदार संगम बनकर उभरा। कार्यक्रम में जहां एक ओर मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया, वहीं दूसरी ओर बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा ठाकरे की मौजूदगी ने समां बांध दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दौरान संस्थान के संरक्षक डॉ. तौलेराम गंगवार, पूर्व ब्लॉक प्रमुख तारावती गंगवार, प्रबंधक डॉ. रत्नेश गंगवार, चेयरपर्सन प्रियंका गंगवार सहित विभिन्न विभागों के प्राचार्य व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि अभिनेत्री पूजा ठाकरे का भव्य स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया। उन्होंने न केवल प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया, बल्कि अपनी लाइव सिंगिंग प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूरे परिसर में उत्साह और ऊर्जा का माहौल बना रहा।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रांजल गंगवार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 10 हजार रुपये का पुरस्कार जीता, जबकि आदित्य गंगवार को द्वितीय स्थान पर 5 हजार और अमन गंगवार को तृतीय स्थान पर 2,500 रुपये देकर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा अन्य 10 प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहन राशि देकर सराहा गया।

इस मौके पर एक खास पल तब आया जब वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. रत्नेश गंगवार के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उनकी पत्नी व ट्रस्ट की चेयरपर्सन प्रियंका गंगवार ने महाविद्यालय परिसर में केक कटवाकर सरप्राइज बर्थडे सेलिब्रेशन आयोजित किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम को और यादगार बना दिया। कुल मिलाकर बीडीआरएल फिएस्टा 2026 ने शिक्षा के साथ-साथ मनोरंजन और सम्मान का अनोखा संदेश दिया।

भाकियू भानु तहसील पत्रकार संघ में नई जिम्मेदारी: रोहित मिश्रा बने तहसील प्रभारी

लुकमान खान

पीलीभीत बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। बीसलपुर तहसील क्षेत्र में पत्रकारिता जगत से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। भाकियू भानु (भारतीय किसान यूनियन) भानु से जुड़े तहसील पत्रकार संघ में संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से नई नियुक्ति की गई है। सक्रिय और मेहनती पत्रकार रोहित मिश्रा को तहसील पत्रकार संघ का तहसील प्रभारी मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर भाकियू भानु के तहसील अध्यक्ष महेंद्र पाल गंगवार 'फौजी' और तहसील मीडिया प्रभारी तहसील पत्रकार संघ अध्यक्ष दीनदयाल शास्त्री ने अपने संगठन के पदाधिकारियों के साथ मिलकर रोहित मिश्रा को मनोनीत पत्र सौंप दिया है। कार्यक्रम के दौरान संगठन के कई वरिष्ठ सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की ।तहसील अध्यक्ष महेंद्र पाल गंगवार 'फौजी' ने कहा कि रोहित मिश्रा लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और उन्होंने अपने कार्यों से संगठन का नाम रोशन किया है। उनकी नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पत्रकारों की समस्याओं को मजबूती से उठाया जा सकेगा। वहीं, नव-नियुक्त पत्रकार संघ के तहसील प्रभारी रोहित मिश्रा ने संगठन के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। कार्यकर्ताओ में माहौल उत्साहपूर्ण रहा और सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान तहसील अध्यक्ष महेंद्र पाल गंगवार फौजी, गया प्रसाद राजपूत वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनिल शर्मा उपाध्यक्ष के अलावा अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर और छापेमारी से किसानों में आक्रोश

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। स्मार्ट मीटर लगाए जाने और बिजली विभाग की लगातार चल रही छापेमारी को लेकर किसानों व उपभोक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है। इसी मुद्दे को लेकर भारतीय किसान यूनियन (आजाद) के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी शाहरुख के नेतृत्व में किसानों ने नगर के बिजलीघर पर धरना प्रदर्शन किया। और समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसडीओ को सौंपा ।धरने के दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग के कर्मचारी अनावश्यक रूप से उपभोक्ताओं को परेशान कर रहे हैं। बिना स्पष्ट कारण के कनेक्शन काटे जा रहे हैं और स्मार्ट मीटर के नाम पर ग्रामीणों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। किसानों का कहना है कि भीषण गर्मी के इस दौर में बिजली कनेक्शन काटना अमानवीय है, जिससे आमजन और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, प्रदर्शन कर संगठन के लोगों ने मांग की कि स्मार्ट मीटर के स्थान पर पुराने मीटर ही लगाए जाएं तथा प्री-पेड मीटर व्यवस्था को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक उपभोक्ता को बिजली खपत का लिखित विवरण, कागजी बिल दिया जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे ।किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि धारा 56 का भय दिखाकर उपभोक्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है, जिसे तत्काल बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने बुजुर्गों और किसानों के शोषण पर रोक लगाने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

बीसलपुर तहसील में अधिवक्ताओं का धरना, एसडीएम पर लगाए गंभीर आरोप; ट्रांसफर की मांग तेज

लुकमान खान

पीलीभीत बीसलपुर(वेलकम इंडिया)। तहसील परिसर में उस समय हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई जब अधिवक्ताओं ने एसडीएम नागेंद्र पांडे के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। अधिवक्ताओं ने एसडीएम पर शोषण और मनमानी के गंभीर आरोप लगाते हुए उनके तत्काल स्थानांतरण की मांग की। अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसील प्रशासन द्वारा लगातार उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है, जिससे उनमें आक्रोश व्याप्त है। इसी बीच एक अधिवक्ता ने बताया कि जब वह अपने चैंबर पर पहुंचे तो उनका चैंबर टूटा हुआ मिला। अंदर रखी मेज-कुर्सी क्षतिग्रस्त थी और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी फटे हुए पाए गए। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई एसडीएम नागेंद्र पांडे के इशारे पर कराई गई है। इस घटना के बाद अधिवक्ताओं में भारी रोष फैल गया और उन्होंने तहसील परिसर में एकत्र होकर जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी।

बीच-बचाव करना पड़ा भारी, पीटकर किया घायल, जिला अस्पताल रेफर

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के बाईपास मार्ग पर झगड़ा शांत कराने पहुंचे युवक के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल के परिजनों ने घायल को पहले नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। सोमवार को थाना क्षेत्र के सलेमपुर मार्ग निवासी अनवर पुत्र इकबाल ने बताया कि वह किसी कार्य से दिल्ली बस स्टैंड की ओर जा रहा था। जैसे ही वह बाईपास मार्ग स्थित चार खंभों के पास पहुंचा, वहां दो लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे। उसने दोनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान आरोपियों ने उस पर ही हमला कर दिया और मारपीट कर उसे घायल कर दिया। शोर-शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।पीड़ित ने डॉक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने पहुँच कर नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए सभी आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है ।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रिंस एच पी गैस एजेंसी पर किसानों का धरना प्रदर्शन: नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

उपभोक्ताओं को नियमानुसार गैस वितरण का आश्वासन

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद/बुलंदशहर। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के कार्यकताओं ने प्रिंस एचपी गैस एजेंसी के गोदाम पर धरना प्रदर्शन कर एजेंसी संचालकों पर घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अनियमित वितरण का आरोप लगाया। धरने की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार व पूर्ति निरीक्षक धरना स्थल पर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन देकर गैस की कालाबाजारी रुकवाये जाने और सभी उपभोक्ताओं को बिना किसी भेदभाव नियमित रूप से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराये जाने की मांग की।

नायब तहसीलदार ने प्रदर्शनकारियों को उपभोक्ताओं को नियमानुसार गैस आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया। किसानों के धरना-प्रदर्शन से प्रशासन और गैस एजेंसी संचालकों में खलबली मची हुई है।

भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी जिलाध्यक्ष सुनील कुमार लोधी के नेतृत्व में सोमवार की सुबह दर्जनों कार्यकर्ता कस्बे की एकमात्र प्रिंस गैस एजेंसी के ख्वाजपुर रोड़ स्थित गोदाम पर पहुंचे और गैस एजेंसी के संचालकों,व हाकरों पर गैस की कालाबाजारी करने और आम उपभोक्ता को गैस आपूर्ति से वंचित रखे जाने का आरोप लगाते हुए एजेंसी मालिक को वार्ता हेतु बुलाया। गोदाम पर मौजूद कर्मचारियों ने मालिक बीरपाल सिंह को अस्वस्थ बताते हुए असमर्थता जताई तो किसान दरी बिछाकर वहीं धरने पर बैठ गए।सुनील लोधी ने बताया कि गैस एजेंसी के हाकर होम डिलीवरी के बहाने जम कर कालाबाजारी कर रहे हैं। आम उपभोक्ताओं को गैस बुक कराने और ओटीपी आ जाने के बाबजूद सिलैंडर नहीं मिलता जबकि अमीर असरदार दबंगों को तुरंत गैस पहुंचाई जा रही है। बसपा नगर अध्यक्ष अजीम शाहिद भी धरना स्थल पर पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। धरने की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी। नायब तहसीलदार औरंगाबाद ललित नारायण प्रशांत और पूर्ति निरीक्षक वीरेंद्र मिश्रा मौके पर पहुंचे और किसानों को नियमित रूप से नियमानुसार गैस वितरण कराये जाने का आश्वासन दिया।

प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा। नायब तहसीलदार ने सकारात्मक आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया।

गैस एजेंसी संचालक ने कालाबाजारी और वितरण में भेदभाव के आरोपों को निराधार बताया ।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र लोधी, बंटी शर्मा बसपा नगर अध्यक्ष अजीम शाहिद,, भूपेंद्र चौधरी रिंकू लोधी सोनपाल लोधी राधेश्याम न्यादर लोधी शकीरा, देवेन्द्र धर्मेंद्र हितेश आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बिजली कार्य में 'भ्रष्टाचार' का शोर, खंभों की नींव पर उठे सवाल, वीडियो वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर में चल रहे बिजली सुधार कार्यों ने अब विवादों का रूप ले लिया है। मुख्य बाजार क्षेत्र में बिजली के तार बदलने और नए खंभे लगाने का काम जारी है, लेकिन निर्माण सामग्री की खस्ता हालत ने विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे एक वीडियो ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है।इस वीडियो में बाजार क्षेत्र में हाल ही में लगाए गए बिजली के खंभों के बेस (आधार) को दिखाया गया है। वीडियो के आधार पर स्थानीय लोगों का दावा है कि खंभों को खड़ा करने के लिए इस्तेमाल किया गया सीमेंट और कंक्रीट का मिश्रण इतना कमजोर है कि वह हाथों से ही झड़ रहा है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने कार्य की गुणवत्ता को लेकर (कमजोर नींव) सीमेंट की पकड़ इतनी ढीली है कि खंभों के भविष्य में गिरने का डर बना हुआ है। (जनसुरक्षा को खतरा) मुख्य बाजार में भारी भीड़ रहती है; यदि खंभा गिरता है तो बड़ी जनहानि हो सकती है जैसी निम्नलिखित चिंताएं जताई हैं। यहाँ तक कि लोगों का सीधा आरोप है कि ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से घटिया सामग्री का प्रयोग कर बजट की बंदरबांट की जा रही है। फिलहाल, समाचार लिखे जाने तक इस मामले में वीडियो कॉन्फ्रेंस के चलते बिजली विभाग अधिकारियों से कोई सम्पर्क नहीं हो पाया है। नागरिकों ने जिलाधिकारी और विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए और मानक विहीन कार्य करने वाले दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। सड़कों पर लगा यह 'भ्रष्टाचार का सीमेंट' अब जहांगीराबाद में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। देखना यह होगा कि विभाग अपनी साख बचाने के लिए क्या कदम उठाता है। 'अगर खंभों की नींव ही मजबूत नहीं होगी, तो ऊपर खींचे जाने वाले तारों का भार ये कैसे सहेंगे? यह सीधे तौर पर जनता की जान से खिलवाड़ है।'

मिशन शक्ति के तहत एंटी रोमियो स्क्वॉड सक्रिय, स्कूल-कॉलेजों के आसपास सघन चेकिंग

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति 5.0 फेज-2 के अंतर्गत जनपद में एंटी रोमियो स्क्वॉड टीम ने सोमवार को स्कूल-कॉलेजों व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर संचालित इस अभियान के तहत चिल्हिया थाना क्षेत्र के पल्टा देवी मंदिर, जगदीशपुर व रेलवे स्टेशन समेत प्रमुख स्थानों पर निगरानी रखी गई। टीम ने महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 112, 181, 1930, 108 व 102 की जानकारी दी। साथ ही बाजारों व चौराहों पर दुकानदारों से संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई गई।

अभियान के दौरान कहीं भी कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई। टीम का नेतृत्व उपनिरीक्षक मीरा चौहान ने किया, जिनके साथ महिला आरक्षी नेहा सिंह मौजूद रहीं।

चौक में खुला 'श्याम कुंज सारीज' शोरूम, बनारसी साड़ियों का अनोखा खजाना ग्राहकों के लिए उपलब्ध

भव्य उद्घाटन के साथ 'श्याम कुंज सारीज' की शुरूआत, बनारसी बुनकर कला को मिलेगा नया मंच

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। बनारसी साड़ियों की संकलित अनोखा एवं नये शोरूम श्याम कुंज सारीज का चौक आसभैरो मेन रोड पर स्थित भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि पंडित चन्दमौली उपाध्याय एवं श्री भरत जी सर्राफ द्वारा फीता व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।इस अवसर अतिथियों का स्वागत प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता अरविंद जैन,सुजीत केशरी एवं परिवार जन ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्रम के साथ स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता अरविंद जैन ने बतलाया कि श्याम कुंज सारीज में ग्राहकों को शुद्ध बनारसी सिल्क,तनछुई,जामदानी, कटवर्क और डिजाइनर न्यू ट्रेंड साड़ियों का एक अनूठा संग्रह देखने को मिलेगा साथ ही लहंगा लेडीज सूट कुर्ती चादर दोहर दुपट्टा सहित हर रेंज की दो सौ रुपए से दो लाख तक की साड़ियां उपलब्ध है संस्थान सह संस्थापक सुजीत केशरी ने इस दौरान बताया कि हमारा उद्देश्य बनारस की बुनकर कला को सम्मान देना और ग्राहकों को उचित मूल्य पर असली बनारसी साड़ी उपलब्ध कराना है।उद्घाटन के अवसर पर निदेशक द्वय अनंत जैन व अखिल केशरी ने बतलाया कि उद्घाटन के दिन से एक सप्ताह तक प्रत्येक खरीद पर निश्चित उपहार की योजना रखी गयी है। इस अवसर पर जेएसके संजीव अग्रवाल,विजय मोदी, गोविंद जी

केजरीवाल,प्रदीप मेहरोत्रा,अभिषेक भट्टचार्य, दिव्या अग्रवाल,दीपक बजाज,अनिल केशरी,संतोष अग्रवाल,राकेश अग्रवाल,दीपक अग्रवाल,डॉ रितु गर्ग,सीए रश्मि केसरवानी,पूजा गुप्ता,विभु गुप्ता, उषा जैन,संदीप केशरी,रजनी शर्मा आदि सम्भ्रांत एवं विशिष्ट लोग उपस्थित रहे।

ट्रिपल मर्डर के आरोपी वृद्ध ने फांसी लगाकर की आत्महत्या पुलिस जांच में जुटी

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। कोतवाली क्षेत्र में ट्रिपल मर्डर करने के आरोपी वृद्ध ने पानी का विवाद तथा मस्जिद में हुई पिटाई का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को एसएसपी से लिखित में शिकायत दी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के अंबेडकर नगर निवासी सईद पुत्र हफीज उम्र करीब 65 वर्ष ने नगर के बाराखंबा चौराहे के पास कब्रिस्तान में एक पेड़ से लटक कर फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला संज्ञान में आया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाली प्रभारी यज्ञदत्त शर्मा ने बताया कि मृतक की तरफ से कोई प्रार्थना पत्र नहीं मिला है अगर प्रार्थना पत्र मिलता है तो उसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच कर कार्रवाई की जाएगी

मृतक का इतिहास:

सईद ने वर्ष 2021 में मंगलवार की रात सोते समय अपनी पत्नी और तीन बेटियों के सिर पर हथौड़े से हमला किया था। हमले में पत्नी शकील (50) और दो बेटियों, रजिया (20) और शबाना (15) की मौके पर ही मौत हो गई थी।

तथा तीसरी बेटी सुल्ताना (18) उस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई थी जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल से मेरठ रेपर किया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी अपनी पत्नी और बेटियों के चरित्र पर शक करता था और उन्हें अन्य पुरुषों से बात करने पर एतराज जताता था। हालांकि मृतक आरोपी करीब 3 वर्ष की जेल की सजा काट चुका है।

आचार्य शांतनु जी महाराज ने गौतम होमियो हाल का किया शुभारंभ

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। दौलतपुर रोड पाण्डेयपुर में भक्ति नगर कॉलोनी स्थित गौतम होमियो हाल का शुभ उद्घाटन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर पूज्य आचार्य शांतनु जी महाराज के कर-कमलों द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.प्रदीप कुमार पाण्डेय (पूर्व संकायाध्यक्ष,महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी) की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ अनेक गणमान्य नागरिक,क्षेत्रीय सम्मानित व्यक्तित्व एवं स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे समारोह के दौरान आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण बना रहा।

आयोजकों ने सभी अतिथियों का हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम की शोभा उपस्थित जनसमूह की गरिमामयी उपस्थिति से और भी बढ़ गई। इस अवसर पर आयोजकों ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे ही सहयोग और स्नेह की अपेक्षा की।

उक्त अवसर पर कबीर मठ के महंत गोविन्द दास,पूर्व महापौर वाराणसी कौशलेंद्र सिंह,अंबरीश सिंह भोला, सेवानिवृत पुलिस उपाधीक्षक नंदलाल यादव,सर्वजीत शाही,नरेंद्र सिंह,रणविजय सिंह,विनोद राय,जगदीश त्रिपाठी,मदन दुबे,इंस्पेक्टर सत्येंद्र विक्रम सिंह,पुष्पेंद्र सिंह, सुरेंद्र कुमार पटेल,किरण सिंह,राहुल सिंह,हेमंत गुप्ता, पंकज महतो,जितेंद्र सिंह,जीतू राजीव सिंह,अवनीश सिंह, प्रखर सिंह,शिखर सिंह,खुशी सिंह सहित इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।आगंतुकों के प्रति सुधा सिंह ने आभार व्यक्त किया।

आज भव्य कलश यात्रा के साथ श्री राम कथा का होगा शंखनाद, हेलीकॉप्टर से होगी पुष्प वर्षा

असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद सीमा के सटे मधुपुर पकड़ी गांव मे भव्य 'श्री राम कथा' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार 21 अप्रैल को सुबह 09 बजे एक विशाल कलश शोभा यात्रा के साथ होगा। यह यात्रा मधुपुर पकड़ी गांव से शुरू होकर बिस्कोहर होते हुए बूढ़ी राप्ती नदी परसोहन घाट तक जाएगी। इस विराट यात्रा की मुख्य विशेषता इसमें शामिल हाथी, ऊंट, रथ और 2100 कलश धारी महिला श्रद्धालु होंगी। आयोजन को भव्यता देने के लिए यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जाएगी। 21 से 30 अप्रैल तक चलने वाली इस कथा में प्रतिदिन प्रभु श्री राम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। आयोजक समिति के धनीराम प्रजापति ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से इस धार्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ कमाने की अपील की है।

काउंसलिंग से सुलझा वैवाहिक विवाद, टूटता परिवार बचाया

असदुल्लाह सिद्दीकी

उसका/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत थाना उसका बाजार की पुलिस टीम ने एक दंपति के बीच चल रहे वैवाहिक विवाद को काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाकर उनके टूटते परिवार को बिखरने से बचा लिया। यह कार्रवाई महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने ग्राम पेंडारी खुर्द निवासी श्रीमती राजमती पत्नी गिरजेश के वैवाहिक विवाद को गंभीरता से लिया।

पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को थाने बुलाकर उनकी समस्याएं सुनीं और धैर्यपूर्वक काउंसलिंग की।

प्रभावी समझाइश के बाद पति-पत्नी ने आपसी मतभेद भुलाकर पुनः साथ रहने का निर्णय लिया तथा सुखद दांपत्य जीवन जीने का संकल्प लिया। पुलिस की इस मानवीय पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। काउंसलिंग टीम में उपनिरीक्षक जयप्रकाश पांडेय, हेड कांस्टेबल अनिल चौहान, कांस्टेबल पन्नेलाल तथा महिला कांस्टेबल कालिंदी यादव शामिल रहीं, जिनकी सक्रिय भूमिका से यह मामला सुलझ सका।

गर्मी में मिलावट पर सख्ती, 18 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी के निर्देश पर गर्मी के मौसम में मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने सख्त अभियान चलाया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-क्क के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने तहसील शोहरतगढ़ क्षेत्र के ढ़ेबरुआ, सिसवा और तुलसियापुर बाजार में स्थित 18 खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच की। जांच के दौरान श्याम स्वीट्स, चौहान बिरयानी, यादव फैमिली रेस्टोरेंट, श्याम किराना स्टोर, शिव कोल्ड ड्रिंक, यादव स्वीट्स और चौहान स्वीट हाउस सहित कई दुकानों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्मी के मद्देनजर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री न करने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। टीम ने दुकानदारों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

इंडियन एडवोकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने ली शपथ

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। अधिवक्ताओं का संगठन इंडियन एडवोकेट एसोसिएशन के निर्वाचित पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण का पद ग्रहण शपथ समारोह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मलदहिया स्थित सिंह निकेतन जीवनदीप चैरिटेबल ट्रस्ट परिसर के सभागार में संपन्न हुआ। ज्ञातव्य हो कि एसोसिएशन के निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्यगण का निर्वाचन जनवरी 2026 में संपन्न हुआ था जिसमें निम्नलिखित पदाधिकारीगण शामिल रहे। केंद्रीय अध्यक्ष डा.अरविंद गांधी एडवोकेट,वरिष्ठ उपाध्यक्ष तारकनाथ गांगुली एडवोकेट,उपाध्यक्ष शशि वर्मा एडवोकेट,महामंत्री राकेश कुमार गुप्ता एडवोकेट,मंत्री राजन कुमार एडवोकेट,संयुक्त मंत्रीगण पवन कुमार विश्वकर्मा एडवोकेट,अखिलेश कुमार एडवोकेट, कोषाध्यक्ष राजकुमार यादव एडवोकेट एवं सर्वश्री हरीश जी एडवोकेट,बालादाऊ एडवोकेट,डा.सुल्तान खान एडवोकेट को प्रबंध प्रबंधकारिणी समिति का सदस्य चुना गया था जिनका पद ग्रहण शपथ समारोह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न हुआ। निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्यों का पद ग्रहण शपथ कार्यक्रम समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर सिंह ने दिलाया। एसोसिएशन के निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्यगण के पद ग्रहण शपथ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर सिंह ने पद ग्रहण शपथ समारोह के बाद इंडियन एडवोकेट एसोसिएशन से संबंधित अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अधिवक्ता बार और बेंच की मयार्दा को बनाए रखते हुए अदालतों में अपने कार्य को संपादित करने तथा एसोसिएशन के उद्देश्यों के अनुरूप प्रत्येक कार्य करेंगे। उन्होने एसोसिएशन के सभी पदधिकारीगणों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त किया कि इंडियन एडवोकेट एसोसिएशन एवं उसके पदाधिकारी अधिवक्ता हित में कार्य करने तथा वादकरियों के हितों की भी रक्षा का ध्यान रखेंगे जिससे न्याय व्यवस्था पर लोगों की अटूट विश्वास कायम रहे। समारोह की अध्यक्षता सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डा.राम अवतार पाण्डेय ने किया। इस मौके पर अधिवक्ताओं में अरविंद कुमार राय, अभिषेक राय,दिलीप कुमार श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र नाथ शर्मा,जवाहीर लाल गुप्ता, सुभाष नंदन चतुर्वेदी सहित भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे। समारोह का संचालन एडवोकेट डॉ अरविन्द गांधी एवं धन्यवाद ज्ञापन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एडवोकेट शशि वर्मा ने किया।

पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सपा की हुई महत्वपूर्ण बैठक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राज चौपला स्थित कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम (26 अप्रैल 2026) की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं जनसंपर्क अभियान पर विस्तार से चर्चा की गई।उल्लेखनीय है कि 26 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले इस जनसंवाद कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल मुख्य अतिथि के रूप में एवं डॉ. राजपाल कश्यप (प्रदेश अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ) विशिष्ट अतिथि के रूप में मोदीनगर पधारेंगे। बैठक में उपस्थित सभी वरिष्ठ साथियों एवं कार्यकताओं ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने हेतु अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए क्षेत्र में व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, गांव-गांव एवं वार्ड स्तर तक पहुंच बनाई जाएगी तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं– जैसे मंच व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वागत, प्रचार-प्रसार एवं समन्वय के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां कार्यकताओं को सौंपी गईं।इस अवसर पर उपस्थित सभी साथियों ने एकजुट होकर समाज की समस्याओं को मजबूती से उठाने तथा समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों की सूची एवं संपर्क विवरण भी संकलित और बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके। आयोजक गिरीश मधुरिया ने क्षेत्र के सभी नागरिकों, युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि वे 26 अप्रैल 2026 को आयोजित इस महत्वपूर्ण पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं।

बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे:रमेश प्रजापति (राष्ट्रीय सचिव), कालूराम धामा, गिरीश मधुरिया, सुरेंद्र त्यागी, देवव्रत धामा, मनीष बंसल, सतेंदर शर्मा,कृष्णा रुहेला,सचिन दीक्षित,महावीर गुर्जर, प्रदीप शर्मा,सुनील दुवेदी,इमजोर खान, ,मंजीत नेहरा,सौकीन,अमित गुज्जर ,जयावेद, मुस्ताफा,बिलाल,राजेश जाटव,बादल,दीनू खान,कमलेश चौधरी, मंजीत नेहरा, दिग्विजय कश्यप, विरेंद्र त्यागी,उत्तम त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

परशुराम जन्मोत्सव के कार्यक्रमों में ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों ने भाग लिया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बी डी शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज, राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवकुमार शर्मा, राष्ट्रीय प्रचार सचिव शिवकुमार शर्मा, गाजियाबाद के जिला अध्यक्ष बुद्ध प्रकाश शर्मा उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय कार्यालय भगवान परशुराम धाम मुरादनगर में भगवान परशुराम का अभिषेक किया तथा उन्हें नहीं पोशाक धारण कराई।

इसके उपरांत ग्राम आबूपुर में शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाइ। उपरांत नगर पालिका निवाड़ी में भगवान परशुराम की मूर्ति की स्थापना की दोपहर 1:0बजे अमीनगर सराय बागपत में कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का समापन माजरा रोड शामली में किया।प्रदेश अध्यक्ष त्रिभुवन शर्मा राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने नए पदाधिकारी को मनोनयन पत्र प्रदान किया। पंडित नरेश चंद शर्मा को शामली का जिला अध्यक्ष और पंडित सुबोध शर्मा को नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

श्रीमती मीनाक्षी शर्मा को जिला अध्यक्ष महिला पर मनोनीत किया गया इस अवसर पर बागपत के जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिनमय भारद्वाज प्रदेश सचिव लोकेश वत्स के अलावा सैकड़ो पदाधिकारी ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रदेश राज्य सब जूनियर बालक एवं बालिका शूटिंग बॉल टूनार्मेंट का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। 45 वी उत्तर प्रदेश राज्य सब जूनियर बालक एवं बालिका शूटिंग बॉल टूनार्मेंट (जोन 1) का आयोजन एस.डी. पब्लिक स्कूल, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद के खेल मैदान पर किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग बॉल फेडरेशन के फाउंडर चौधरी धर्मपाल सिंह द्वारा किया गया। शूटिंग बॉल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के चेयरमैन अजय पाल प्रमुख ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। परिणाम इस प्रकार रहे। बालिका वर्ग में गाजियाबाद ने मुजफ्फरनगर को 21-15, 21- 16 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।मुजफ्फरनगर दूसरे और गौतम बुध नगर तीसरे स्थान पर रहे।

बालक वर्ग में गाजियाबाद ने मुजफ्फरनगर को 21-14, 21-9 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया । मुजफ्फरनगर दूसरे और शामली जनपद ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। एशियाई शूटिंग बॉल फेडरेशन के महासचिव रविंद्र सिंह तोमर ने स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को पुरस्कार प्रदान किये। इस अवसर पर पवन कुमार, राहुल कुमार, मंजीत, अभय, अंजली यादव, विद्या राजपूत, कमल मौर्य, अभय कुमार व जतिन उपस्थित रहे ।बालक एवं बालिका वर्ग में पहले तीन स्थानों पर आने वाली टीम 2 से 3 मई 2026 तक वाराणसी में आयोजित होने वाली 45वीं उत्तर प्रदेश राज्य सब जूनियर बालक एवं बालिका शूटिंग बॉल चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी। कार्यक्रम के समापन पर जिला शूटिंग वाल संघ गाजियाबाद के महासचिव अतुल कुमार ने सभी का धन्यवाद किया।

मनीष बंसल को व्यापार मंडल का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ने गोविंदपुरी मोदीनगर निवासी प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। मनोनीत पत्र में कहा गया है कि आपकी निष्ठा एवं कर्मठता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष धीरज गोयल के निर्देश पर तथा प्रदेश महामंत्री दिनेश कोरी की संस्तुति पर आपको प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया जाता है। आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि आप संगठन को गतिशील एवं मजबूत बनाते हुए व्यापारियों के हितों की सुरक्षा के लिए सदैव प्रयत्नशील रहेंगे।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में मोदी कॉलेज के छात्रों ने जनपद में लहराया परचम

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद के 8 छात्रों ने शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में जनपद और तहसील स्तर पर प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान बनाकर जनपद में परचम लहराया।

विद्यालय में प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें इन सभी छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि यह परीक्षा विद्यालय में अक्टूबर में आयोजित की गई थी जिसमें विद्यालय के 2700 छात्रों ने प्रतिभाग कर जनपद में रिकॉर्ड स्थापित किया ।

सम्मानित होने वाली छात्रों में कार्तिक पुत्र मंजीत सिंह कक्षा 12 बी1 अखिलेश कुमार कंसल कक्षा 10 बी 5 आयुष पुत्र आलोक कुमार कक्षा 12 बी 4 चिराग कक्षा 9बी1 शिवांश पुत्र संजय कुमार सिंह कक्षा 9 अभिषेक अग्रवाल कक्षा 10 , अंकुश कुमार पुत्र हेमंत कुमार कक्षा 12 बी 4 इन सभी छात्रों को 18 अप्रैल को शांतिकुंज हरिद्वार के पदाधिकारी ने गाजियाबाद में आयोजित एक सम्मान समारोह में भी सभी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस परीक्षा के नोडल अधिकारी डॉक्टर अवनीश कुमार जैन और सुधीर कुमार को भी सम्मानित किया गया इस परीक्षा में छात्रों के सर्वाधिक प्रतिभाग में सक्रिय योगदान के लिए राहुल त्यागी, राजीव कुमार वर्मा , राजीव जांगिड़, राजकुमार सिंह, संजीव कुमार, राजेश कुमार सिंह , वीरेंद्र कुमार, अजय कुमार,योगेंद्र कुमार,सोमबीर सिंह, डॉक्टर संजय कुमार ,गौरव त्यागी , कृष्ण कुमार शर्मा हरिओम त्यागी, राम कुमार वर्मा,रविंद्र कुमार शर्मा आदि का सहयोग प्रशंसनीय रहा ।

विद्यालय की सभी कक्षाओं के कक्षा अध्यापकों ने भी छात्रों को इस परीक्षा में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करने में अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाई जिसके कारण छात्रों ने जनपद में सर्वाधिक प्रतिभाग।करने का रिकॉर्ड स्थापित किया।

इस परीक्षा के जनपद कोऑर्डिनेटर रामजी लाल ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी और भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

लिंक रोड पुलिस की बड़ी कार्रवाई: जानलेवा फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल और स्कूटी बरामद

कपिल चौहान

नोएडा(वेलकम इंडिया)। थाना लिंक रोड पुलिस ने चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और स्कूटी बरामद की है।

घटना का विवरण:

19 अप्रैल 2026 को वादी जलालुद्दीन पुत्र स्व. मुनफेद, निवासी महाराजपुर, गाजियाबाद ने थाना लिंक रोड में तहरीर देकर बताया कि 18/19 अप्रैल की रात करीब 12 बजे वह शादी समारोह से लौटकर अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान स्कूटी पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे। आरोप है कि पीछे बैठे रियाज उर्फ बाबू ने उस पर जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायर कर दिया। गोली पास में खड़ी वैगनआर कार के शीशे में लगी, जिससे वह बाल-बाल बच गया। शिकायत के आधार पर थाना लिंक रोड में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस कार्रवाई:

20 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान कौशांबी बस अड्डे के पीछे खाली मैदान के पास से दो अभियुक्तों– रियाज उर्फ बाबू (26 वर्ष),अजीम उर्फ राहुल (24 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी महाराजपुर क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल, जिंदा कारतूस और स्कूटी बरामद की गई है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि फरार तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

निष्कर्ष

लिंक रोड पुलिस की तत्परता से एक बड़ी वारदात का खुलासा हुआ है। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। जनपद के श्रमिकों को बेहतर, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकों के साथ बैठक कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की गहन समीक्षा की। जिलाधिकारी ने उपचार व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकीय स्टाफ की स्थिति और आपातकालीन सेवाओं की कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी सेवाएं सुचारु रूप से संचालित हों।निरीक्षण के दौरान डीएम ने ओपीडी, दवा वितरण केंद्र, इमरजेंसी वार्ड, लैब और कैंटीन सहित विभिन्न विभागों का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों से सीधे बातचीत कर सुविधाओं का फीडबैक भी लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रमिकों को गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने डॉक्टरों की नियमित उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की कार्यशीलता और दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कैंटीन में भोजन की गुणवत्ता और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की एक्सपायरी डेट की नियमित जांच के भी निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, ईएसआईसी निदेशक हरमन कौर, एसीएमओ चंदन सोनी सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार ने अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष लायन ए पी सिंह तथा डिस्टिक गवर्नर लायन डा. विनय सिसोदिया के आह्वान पर 18 अप्रैल 2026 से 26 अप्रैल 2026 तक पर्यावरण सप्ताह मनाने का संकल्प लिया है। प्रथम दिवस पर क्लब की सभी पदाधिकारियों द्वारा संकल्प लिया गया।

प्लास्टिक बोतल हटाओ स्टील बोतल अपनाओ। सोमवार को एक कार्यक्रम आर डी पब्लिक स्कूल आदर्श नगर में रखा गया।क्लब की वाइस प्रेजिडेंट लायन अपराजिता सिंह शर्मा द्वारा पृथ्वी दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता करायी गयी तथा बच्चों को समझाया गया कि हमें प्लास्टिक की स्ट्रॉ का विकल्प पेपर स्ट्रा को प्रयोग में लाना होगा। लायन अपराजिता सिंह शर्मा ने प्लास्टिक स्ट्रॉ से होने वाले नुकसान भी बच्चो को समझाये। उन्होंने कहा प्लास्टिक स्ट्रॉ दिखने में छोटा होता है, लेकिन इसके नुकसान काफी बड़े और गंभीर हैं।

पहला पर्यावरण को नुकसानः- प्लास्टिक स्ट्रॉ बहुत धीरे-धीरे गलते हैं (सैकड़ों साल लग सकते हैं) ये नदियों, समुद्रों और जमीन को प्रदूषित करते हैं कचरे के रूप में जमा होकर मिट्टी और पानी की गुणवत्ता खराब करते हैं दूसरा जीव-जंतुओं के लिए खतरा ,समुद्री जीव (कछुए, मछलियाँ, पक्षी) इसे खाना समझकर निगल लेते हैं,इससे उनके गले या पेट में चोट या मौत तक हो सकती है,कई बार स्ट्रॉ उनके शरीर में फंस जाते हैं। बच्चों ने सारी बाते बहुत ध्यान से सुनी व संकल्प लिया कि वे पेपर स्ट्रा का ही प्रयोग करेगे। इस कार्यक्रम मे क्लब अध्यक्ष लायन डा. वर्षा गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन कल्पना गुप्ता, विद्यालय प्रबन्धक श्रीमती शिव कुमारी त्यागी विद्यालय प्रधानाचार्य अक्षत व विद्यालय की शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पेड़ से टकराई स्कूल वैन, 6 बच्चे घायल - ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। सोमवार सुबह ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा उस वक्त टल गया, जब बच्चों से भरी स्कूल वैन अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में 6 बच्चे और चालक घायल हो गए, जिन्हें तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत की बात यह रही कि सभी बच्चों को मामूली चोटें आईं और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे सेक्टर ढ-3 कॉलोनी से करीब 15 बच्चों को लेकर वैन स्कूल जा रही थी। जैसे ही वाहन सीआरएच हॉस्पिटल के पास पहुंचा, सामने से तेज रफ्तार बाइक सवार आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक ने अचानक ब्रेक लगाया और वैन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद वाहन सीधे पेड़ से जा टकराया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और शीशे सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद वैन में सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और वैन में फंसे बच्चों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्कूल स्टाफ भी मौके पर पहुंच गया। बीटा-2 थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि बाइक सवार को बचाने के दौरान यह हादसा हुआ।

सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एस.डी. पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई 45वीं यूपी राज्य सब जूनियर शूटिंग बॉल प्रतियोगिता

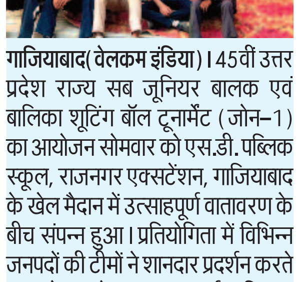

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। 45वीं उत्तर प्रदेश राज्य सब जूनियर बालक एवं बालिका शूटिंग बॉल टूनार्मेंट (जोन–1) का आयोजन सोमवार को एस.डी. पब्लिक स्कूल, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद के खेल मैदान में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न जनपदों की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग बॉल फेडरेशन के फाउंडर चौधरी धर्मपाल सिंह द्वारा किया गया, जबकि शूटिंग बॉल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के चेयरमैन अजय पाल प्रमुख ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

डॉ. के एन मोदी विश्वविद्यालय द्वारा 28 वे रक्तदान शिविर का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. केएन मोदी फाउंडेशन, मोदीनगर के अंतर्गत डॉ. के एन मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर द्वारा 28 वे रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का उद्घाटन डॉ. के एन मोदी फाउंडेशन, मोदीनगर के चैयरमैन प्रो (डा0) डी के मोदी एवं कुलसचिव यू एन मिश्रा, डॉ.के एन मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर के कुलपति पी एन ऋषीकेश जी, डा के एन मोदी फाउंडेशन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ दीपांकर शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रो (डा) डी के मोदी ने रक्तदान की महत्ता को समझाते हुए सभी को रक्तदान के प्रति जागरूक किया। उन्होने कहा कि इस प्रकार के शिविर का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए। कुलपति पी एन ऋषीकेश ने बताया की आपके द्वारा किया गया रक्तदान अनेको लोगों की जिन्दगी बचा सकता है। यह एक महादान है। रक्तदान शिविर का आयोजन एम एम जी जिला हॉस्पिटल गाजियाबाद के डा० अंजुल चौधरी और डॉ विनोद कुमार डॉ सुजीत कुमार के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यापको एंव छात्र / छात्राओं द्वारा बढ़ चढ़ कर रक्तदान किया गया। सायं तक चले शिविर में 100 यूनिट से अधिक रक्तदान हुआ। इस अवसर पर विभिन्न संस्थानो के निदेशक, विभागाध्यक्ष, अध्यापक गण एवं छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन तरुण कुमार, डॉ ब्रजेश कुमार, आशीष मिश्रा एवं हरेंद्र सिंह शैलोन द्वारा किया गया।

मोदीनगर में 'शिक्षा माफिया' का नंगा नाच! दयावती मोदी पब्लिक स्कूल की 'गुंडागर्दी'

रातों-रात 90% तक बढ़ाई फीस, अभिभावकों की कमर तोड़ी! योगी सरकार के आदेश की प्राइवेट स्कूल उड़ा रहे धज्जियां

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में एक तरफ योगी सरकार माफियाओं पर बुलडोजर चलाने का दम भरती है, लेकिन गाजियाबाद के मोदीनगर में एक ऐसा 'सफेदपोश माफिया' पनप रहा है, जिस पर प्रशासन की नजर तक नहीं पड़ती। यह माफिया है 'शिक्षा माफिया'। मोदीनगर के दयावती मोदी पब्लिक स्कूल ने तानाशाही की सारी हदें पार कर दी हैं।

बिना किसी सूचना के फीस में ऐसी बढ़ोतरी की गई है, जिसे सुनकर बच्चों के अभिभावकों की रातों की नींद उड़ी हुई है। हैरान करने वाली बात ये है कि शिक्षा के मंदिर को 'लूट की दुकान' बना दिया गया है और जिला प्रशासन कुंभकर्णी नींद सो रहा है।

दयावती मोदी पब्लिक स्कूल की 'गुंडागर्दी' यहीं खत्म नहीं होती। सरकार चिल्ला-चिल्लाकर थक गई कि स्कूलों में ठउएफ्ळ की किताबें लागू करें, लेकिन दयावती मोदी पब्लिक स्कूल को सरकारी आदेशों से कोई सरोकार नहीं।

यहां हर साल निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें थोपी जाती हैं। और खेल देखिए हर साल किताबें बदल दी जाती हैं ताकि छोटा भाई अपनी बड़ी बहन की पुरानी किताबों से न पढ़ सके। मकसद साफ है, प्रकाशकों से मोटा कमीशन खाना और अभिभावकों को कंगाल करना। सवाल ये है कि जिला

- जिला प्रशासन की नाक के नीचे चल रहा है फीस वसूली का 'गोरखधंधा'
- NCERT को ठेंगा, निजी प्रकाशकों से 'सेटिंग'
- बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे मोदीनगर के 'शिक्षा के ठेकेदार'

प्रशासन की नाक के नीचे यह सब कैसे चल रहा है? क्या शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन इन माफियाओं के सामने नतमस्तक है? क्योंकि तहसील में एसडीएम को ज्ञापन देने के बावजूद कोई ठोस आश्वासन अभिभावकों को नहीं मिलता, मजबूरन बच्चों के अभिभावक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और स्कूल के गेट पर तालाबंदी कराने को मजबूर हैं। सैंकड़ों की संख्या में पीड़ित अभिभावकों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, और उनकी शिकायत का समाधान नहीं होगा वो चुप नहीं बैठने वाले।

लेकिन सवाल है कि यूपी सरकार दावा करती है कि प्रदेश में 'कानून का राज' है, लेकिन मोदीनगर के इस स्कूल में तो सिर्फ 'प्रबंधन की मनमानी' का राज है।

जब अभिभावकों के पास एक से ज्यादा बच्चे होने पर भी कोई छूट नहीं मिलती, तो साफ हो जाता है कि इस संस्थान का मकसद शिक्षा देना नहीं, बल्कि नोट छापना है।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्कूल की फीस में वृद्धि

अब जरा इस स्कूल की 'लूट के गणित' को समझिए। शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए स्कूल ने फीस में 10% से लेकर 22% तक की वार्षिक वृद्धि कर दी है। कुछ मामलों में तो यह वृद्धि 90% तक पहुंच गई है।

- कक्षा 4–5 में 22% की बढ़ोतरी।
- कक्षा 6–8 में करीब 22% का इजाफा।

यह सिर्फ फीस वृद्धि नहीं, बल्कि मध्यमवर्गीय परिवारों की जेब पर 'डकैती' है।

जनता दर्शन में गूंजा जनविश्वास: डीएम ने सुनीं समस्याएं, मौके पर किया समाधान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जनपद गाजियाबाद में सोमवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित इस जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं, जिनमें राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य एवं निर्माण विभाग प्रमुख रहे।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप शिकायतों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री कार्यालय से इस कार्यक्रम की लाइव मॉनिटरिंग भी की जा रही है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही को और मजबूती मिली है। साथ ही, सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 10 से 12 बजे तक जन शिकायतें सुनें और जूम के माध्यम से लाइव जुड़ें। जनता दर्शन के दौरान कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया।

एक दिव्यांग महिला, श्रीमती दीनमनी शर्मा, जो सुनने और चलने में असमर्थ थीं, उनकी समस्या को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया तथा अगले दिन मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में अंकूर विहार निवासी अरुण शर्मा ने आवास एवं रोजगार से संबंधित समस्या रखी। उन्होंने बताया कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के तहत उन्हें आवास उपलब्ध हो चुका है और रोजगार के लिए भी आश्वासन मिला है। कार्यक्रम के दौरान एडीएम एल/ए अवनीश सिंह, एडीएम सिटी विकास कश्यप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जनता दर्शन में त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता ने प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत किया।

अंबेडकर प्रतिमा खंडित करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, लोनी बॉर्डर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में रविवार सुबह डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सड़क किनारे स्थापित प्रतिमा क्षतिग्रस्त अवस्था में थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई।

तेजी से कार्रवाई करते हुए थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मनीष (26 वर्ष) पुत्र ओम प्रकाश, निवासी संगम विहार और जॉन्टी उर्फ प्रिंस (26 वर्ष) पुत्र देवेंद्र कुमार, निवासी सरस्वती विहार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। प्रशासन ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

अवैध मीट की दुकानों पर कार्रवाई करने गई टीम पर हमला, अधिकारी के ड्राइवर की पिटाई

कपिल चौहान

घायल ड्राईवर

फूड विभाग अधिकारी मीरा सिंह

विधायक नंदकिशोर गुर्जर

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र स्थित मौलाना आजाद कॉलोनी में अवैध मीट की दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची फूड विभाग की टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। इस घटना में फूड विभाग की अधिकारी मीरा सिंह के ड्राइवर को बुरी तरह पीटा गया है। मामले को लेकर महिला अधिकारी ने थाना लोनी बॉर्डर में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री पोर्टल पर अवैध मीट की दुकानों के संचालन को लेकर शिकायत दर्ज की गई थी। इसी शिकायत की जांच और रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि के चलते फूड विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी। टीम के पहुंचते ही वहां मौजूद कुछ लोगों ने विरोध करते हुए अभद्रता शुरू कर दी और अधिकारियों के हाथों से कागजात भी छीन लिए।

इस दौरान स्थिति तब बिगड़ गई जब उपद्रवियों ने टीम के ड्राइवर के साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद विभाग में रोष व्याप्त है।

लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि क्षेत्र में अवैध मीट की दुकानों का संचालन नियमों के विरुद्ध हो रहा है और इस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई महिला अधिकारी निष्पक्ष कार्रवाई करती है तो ऐसे तत्व दबाव बनाने के लिए हमला कर देते हैं, जो बेहद निंदनीय है। विधायक ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही एसडीएम लोनी को निर्देशित किया गया है कि एक विशेष टीम गठित कर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सुनी जनता की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं जनसुनवाई को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर आए नागरिकों से सीधा संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि जनता का विश्वास पुलिस व्यवस्था में और मजबूत हो सके। पुलिस प्रशासन द्वारा इस प्रकार की जनसुनवाई व्यवस्था के माध्यम से लोगों को अपनी बात रखने का अवसर मिल रहा है, जिससे समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

संचारी रोगों पर जागरूकता अभियान: 500 छात्रों को दी गई स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी व सामग्री वितरित

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज राजकीय इंटर कॉलेज, विजय नगर में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्रिंसिपल श्रीमती भीमा चौहान ने की, जबकि संचालन भारतीय मानव अधिकार जनकल्याण एसोसिएशन एवं रीति फाउंडेशन (ठक्र्ड) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. वी.के. सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एम.एम.जी. हॉस्पिटल की मुख्य परामर्शदाता डॉ. रितु वर्मा एवं डॉ. नरेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

डॉ. रितु वर्मा ने छात्र-छात्राओं को संचारी रोगों के प्रकार, उनके फैलने के कारणों एवं बचाव के उपायों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने स्वच्छता, संतुलित आहार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान रीति फाउंडेशन द्वारा लगभग 500 विद्यार्थियों को डाबर का जूस, दंत मंजन एवं ग्लूकोन-डी का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें स्वच्छ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं स्टाफ भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल श्रीमती भीमा चौहान ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

स्कूटी सवार बदमाशों की फायरिंग का खुलासा: दो आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना लिंक रोड पुलिस ने स्कूटी सवार बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग की घटना का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और स्कूटी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 19 अप्रैल 2026 को वादी जलालुद्दीन निवासी महाराजपुर, गाजियाबाद ने थाना लिंक रोड में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि 18/19 अप्रैल की रात करीब 12 बजे वह शादी समारोह से अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से घर लौटे थे। घर के बाहर खड़े होने के दौरान स्कूटी पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे। स्कूटी पर पीछे बैठे आरोपी ने जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायर कर दिया। गोली पास में खड़ी वैगनआर कार के शीशे में लगी, जिससे वादी बाल-बाल बच गए। तहरीर के आधार पर थाना लिंक रोड में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 20 अप्रैल 2026 को चेकिंग के दौरान कौशांबी बस अड्डे के पीछे खाली मैदान के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रियाज उर्फ बाबू (उम्र 26 वर्ष) और अजीम उर्फ राहुल (उम्र 24 वर्ष), दोनों निवासी महाराजपुर, गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और स्कूटी बरामद की है।

मथुरा में हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई परशुराम जयंती

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। स्ट्रेंजर फ्रेंड्स हेल्पिंग हैंड्स सोसायटी द्वारा संचालित ट्रांसपोर्ट नगर एवं श्यामकुंज स्थित एस.एफ. स्ट्रीट स्कूल में परशुराम जयंती का पावन पर्व बड़े ही उत्साह, श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं महान विभूतियों के जीवन से परिचित कराना रहा।

इस अवसर पर बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भगवान परशुराम जी की पूजा-अर्चना में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था की वरिष्ठ सदस्य अंकिता शर्मा द्वारा भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई। उन्होंने बच्चों को परशुराम जी के जीवन और उनके आदर्शों के बारे में बताते हुए कहा कि वे भगवान विष्णु के अवतार, महान योद्धा एवं ऋषि के रूप में पूजनीय हैं, जिनका जीवन हमें साहस, धर्म और कर्तव्य का पालन करने की प्रेरणा देता है। इसके पश्चात संस्था द्वारा सभी बच्चों को प्रसाद स्वरूप उनकी पसंदीदा सामग्री–पेटीज और फ्रूटी–वितरित की गई। प्रसाद प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे परिसर में आनंदमय वातावरण बन गया। संस्था की अध्यक्ष शिखा बंसल ने बताया कि परशुराम जयंती हमें धर्म, साहस और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों में अच्छे संस्कार और सकारात्मक सोच का विकास होता है।

वहीं संस्था के संस्थापक पियूष बंसल ने कहा कि एस.एफ. स्ट्रीट स्कूल बिना किसी समझौते के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यहां बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और नैतिक मूल्यों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे वे भविष्य में राष्ट्र के योग्य एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें। उन्होंने आगे बताया कि संस्था मथुरा के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा से वंचित एवं झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले 500 से अधिक बच्चों को प्रतिदिन निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है और भविष्य में इस सेवा कार्य को और अधिक विस्तार देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर भारत अग्रवाल, कंचन सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्था का उद्देश्य समाज के गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग की सेवा करना है और भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखा जाएगा।